संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 50
पृष्ठ 8
शुक्रवार
07 नवम्बर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– नाश्ते में क्या है बेहतर, मीठा और....
विचार– ट्रम्प ने 'युद्धविराम' चाहा, शी ने ...
खेल– क्रिकेट भारत की जान है : विश्व कप...

मेरे मालिक आप हैं, लोगों से बोले पीएम मोदी

विपक्ष पर साधा निशाना, कहा– घुसपैठियों के लिए फैला रहे झूठ

अररिया, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अररिया में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखे हमले किए। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने और झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल राष्ट्र के हितों की रक्षा करने से ज़्यादा षघुसपैठियों को बचानेष पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये राजद और कांग्रेस के लोग घुसपैठियों को बचाने में लगे हुए हैं। ये घुसपैठियों को बचाने के लिए तरह–तरह के झूठ फैलाते हैं और लोगों को गुमराह करने के लिए राजनीतिक दौरे निकालते हैं। प्रधानमंत्री का यह तंज विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ इंडिया ब्लॉक द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के बीच आया है। उन्होंने घोषणा की कि पिछली सरकारों के विपरीत, जो "खुद को सम्राट" समझती थीं, उनका पद और अधिकार पूरी तरह से जनता के कारण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जंगल राज चलाने वाले लोग खुद को आपका माई–बाप कहते थे, खुद को सम्राट समझते थे। लेकिन ये मोदी हैं, मेरे माई–बाप आप हैं, जनता हैं, भक्त हैं; आप ही मेरे मालिक हैं, आप ही मेरे रिमोट कंट्रोल हैं। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं द्वारा मतदान के दौरान आई। उनके संबोधन का उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विकास और कानून–व्यवस्था के वादों को और मज़बूत करना था, और विपक्ष के कथित कुशासन के रिकॉर्ड की तुलना करना था। प्रधानमंत्री मोदी ने 1990 के दशक की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाली सरकारों पर बिहार को अराजकता और भ्रष्टाचार की ओर धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, षआपके दादा–दादी के एक वोट ने बिहार को कभी सामाजिक न्याय की धरती बनाया था।ष षलेकिन फिर 1990 का दशक आया और राजद के जंगल राज ने बिहार पर हमला बोल दिया। इसका मतलब था पिस्तौल, क्रूरता, भ्रष्टाचार और कुशासन, यह बिहार का दुर्भाग्य बन गया। आपके माता–पिता के सपने चूर–चूर हो गए।ष उन्होंने इसकी तुलना भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) सरकार द्वारा राज्य में षसुशासन, कानून–व्यवस्था और विकास का मार्गष वापस लाने के प्रयासों से की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी रैली में भारी भीड़ की भी प्रशंसा की और इसे चुनाव परिणाम का संकेत बताया।

योगी आदित्यनाथ का महागठबंधन पर प्रहार

राजद–कांग्रेस ने बिहार के युवाओं की पहचान छीनी

परिहार, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महागठबंधन पर राज्य के लोगों को धोखा देने और युवाओं को पहचान का संकट देने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने परिहार विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से पूछा कि आज मैं आपके बीच यह पूछने आया हूँ कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने बिहार के युवाओं के लिए पहचान का संकट पैदा किया? वो कौन लोग हैं जिन्होंने बिहार की पहचान को धूमिल किया? दुनिया भर के विकास में बिहार के युवाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार को ऐसे युवा चाहिए जिनकी अपनी बुद्धि और अपनी प्रतिभा हो। बिहार के युवा दुनिया में जहाँ भी गए, उन्होंने अपनी बुद्धि, मेधा, प्रतिभा और पहचान से समाज को लाभान्वित किया। लेकिन बिहार के लिए पहचान का संकट पैदा करने वाले राजद और कांग्रेस फिर से छलावा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बिहार में एनडीए की जीत पर विश्वास जताते हुए कहा कि अब जनता राजद या कांग्रेस को कभी मौका नहीं देगी। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से एक परिहार निर्वाचन क्षेत्र में 11 नवंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जन सुराज पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। भाजपा ने गायत्री देवी को, राजद ने स्मिता गुप्ता को, जबकि जन सुराज पार्टी ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

झारखंड में 30 लाख रुपये की 'ब्राउन शुगर' जब्त, सात लोग गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। रांची में अलग–अलग घटनाओं में 30 लाख रुपये मूल्य की 'ब्राउन शुगर' जब्त की गई और दो महिलाओं समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा ने बताया कि मादक पदार्थ के कुछ तस्करों के बिहार के सासाराम से 'ब्राउन शुगर' लाकर रांची में आपूर्ति करने के संबंध में मिली

खुफिया सूचना पर कार्रवाई की गई। इसके तहत मंगलवार रात करीब सवा 10 बजे न्यू मार्केट ऑटो स्टैंड में एक महिला के पास से 92.46 ग्राम 'ब्राउन शुगर' जब्त करने के बाद उसे (महिला को) गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने कहा, "महिला द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उसके तीन सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया... गिरफ्तार किए गए चारों व्यक्तियों के पास से भी कुल 140 ग्राम 'ब्राउन शुगर' और 2.76 लाख रुपये नकद जब्त किए गए।" पुलिस ने बताया कि एक अन्य अभियान में मेसरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बिजलीघर के पास तीन कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 12.13 ग्राम 'ब्राउन शुगर', 3,900 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन आदि जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी रांची के अलग–अलग इलाकों के रहने वाले हैं और गिरफ्तार किए गए सात लोगों में से तीन का आपराधिक इतिहास रहा है।

प्रियंका गांधी का बिहार में बड़ा दावा

अगर निष्पक्ष चुनाव हुए तो एनडीए सत्ता से बाहर होगा

गोविंदगंज, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोटों में हेराफेरी के आरोपों को दोहराते हुए, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को दावा किया कि अगर बिहार में निष्पक्ष चुनाव होंगे, तो मौजूदा एनडीए सरकार सत्ता से बाहर हो जाएगी और राज्य में एक नई सरकार बनेगी। पूर्वी चंपारण के गोविंदगंज इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बिहार में 65 लाख वोट काट दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी वोट जोड़े गए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, कहते हैं कि विपक्षी नेता पश्चिम बंगाल, केरल और बिहार में लोगों का अपमान कर रहे हैं। हम आपके अधिकारों, आपके सशक्तिकरण की बात कर रहे हैं... कल राहुल गांधी ने दिखाया कि हरियाणा चुनाव में वोटों की धांधली हुई थी। 25 लाख फर्जी वोट... आज उनका अहंकार ऐसा है कि वे आपके वोटों का अपमान करते हैं। बिहार में 65 लाख वोट हटाए गए हैं। मैं गारंटी दे सकती हूं कि अगर यहां निष्पक्ष चुनाव हुए तो आप लोग इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे और नई सरकार बनाएंगे। अपने बचपन के एक निजी किस्से का ज़िक्र करते हुए, प्रियंका गांधी ने याद किया कि कैसे अमेठी की एक महिला ने उनके पिता, दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनके गाँव में पानी का नल न लगवाने पर डाँट लगाई थी। उन्होंने कहा कि यह घटना उस समय के भारतीय लोकतंत्र की मज़बूती को दर्शाती है, जहाँ लोग प्रधानमंत्री से भी सवाल पूछ सकते थे। कांग्रेस नेता ने कहा, जब मैं 10–12 साल का था, तब मैंने अमेठी में एक महिला को मेरे पिता को डांटते हुए देखा था। उसने कहा था, तुम राजीव भैया तो हो हमारे, प्रधानमंत्री होंगे लेकिन आपने बोला था हमारे यहाँ नल लगाओगे पर लगाया नहीं अभी तक, हम दोबारा वोट नहीं देंगे आपको... वह देश के प्रधानमंत्री थे, लेकिन एक गाँव की महिला ने उन्हें डाँटा; वह डरी नहीं। आजकल, हर किसी को डरना पड़ता है। अगर आप अपना अधिकार मांगते हैं, तो आपको पता है कि पुलिस आपको पीटेगी और प्रशासन आपको बंद कर देगा। वह समय नहीं था। हमारे देश की राजनीति की नींव महात्मा गांधी ने रखी थी, जिसमें जनता सर्वोच्च है। इस बीच, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान जारी है और यह शाम 6 बजे तक चलेगा।

जम्मू–कश्मीर में बड़ा आतंकी खतरा, खुफिया एजेंसियों का अलर्ट, लश्कर–जैश सक्रिय

जम्मू, एजेंसी। पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद, एक नई खुफिया रिपोर्ट ने जम्मू–कश्मीर में नए सिरे से आतंकी लामबंदी की चेतावनी दी है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) केंद्र शासित प्रदेश में समन्वित हमलों की एक श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। शीर्ष खुफिया सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और उसका विशिष्ट विशेष सेवा समूह (एसएसजी) इस पुनर्गठन प्रयास का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे हैं, जो क्षेत्र में उग्रवादी नेटवर्क को पुनर्जीवित करने की एक सुनियोजित कोशिश का संकेत देता है। खुफिया एजेंसियों ने सितंबर से घुसपैठ के रास्तों पर ड्रोन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। रिपोर्ट में इन अभियानों का श्रेय लश्कर–ए–तैयबा की एक इकाई को दिया गया है, जिसकी कमान शमशेर नामक एक कुख्यात आतंकवादी के हाथ में है।

वोटर लिस्ट में धांधली का आरोप: ममता बोलीं, मेरे फॉर्म लेने की खबर झूठी और अफवाह

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए गणना फॉर्म स्वीकार करने के किसी भी दावे को खारिज करते हुए कहा कि जब तक बंगाल में हर व्यक्ति फॉर्म नहीं भरता, तब तक वह ऐसा करने से बचेंगी। बनर्जी पश्चिम बंगाल और 11 अन्य राज्यों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रही हैं और उनका आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस प्रक्रिया का इस्तेमाल मतदाता सूची में फर्जी वोट डालने के लिए कर रही है। बनर्जी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि जब तक बंगाल का हर व्यक्ति

फॉर्म नहीं भरेगा, मैंने खुद कोई फॉर्म नहीं भरा है और न ही भरूँगी। विभिन्न मीडिया और अखबारों ने प्रकाशित किया है कि मैं अपने घर से बाहर आई और अपने हाथों से बीएलओ से गणना फॉर्म प्राप्त किया! यह खबर पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और जानबूझकर किया गया दुष्प्रचार है। उनके अनुसार, बुधवार को एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) उनके कालीघाट स्थित आवास पर आए और इलाके के कुछ निवासियों को गणना फॉर्म दिया। उन्होंने कहा कि बीएलओ प्रभारी कल अपना विशिष्ट कार्य करने हमारे मोहल्ले में आए थे। कार्यक्रम में, वे मेरे निवास कार्यालय में आए – कुछ स्थानीय मतदाता उन्हें जानते हैं और उन्होंने फॉर्म भेज दिया। इससे पहले 4 नवंबर को, कई मीडिया संस्थानों ने बताया कि बंगाल की मुख्यमंत्री ने राज्य में एसआईआर के लिए फॉर्म स्वीकार कर लिया है। इससे पहले 4 नवंबर को, राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू होने के बाद, मुख्यमंत्री बनर्जी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर मौजूदा मतदाता सूची झूठी है, तो केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार भी झूठी है। एक विरोध रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने 2016 में नोटों के विमुद्रीकरण की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे देश में कोई काला धन वापस नहीं आया। इससे पहले, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव निकाय निम्नलिखित राज्यों में एसआईआर का दूसरा चरण आयोजित करेगारू अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल।

'प्रधानमंत्री का झूठ सबसे मजबूत', सीमांचल और भागलपुर की जनता वोट से जवाब देगी : कांग्रेस

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिहार के भागलपुर में जनसभा से पहले उन पर झूठे चुनावी वादे करने का आरोप लगाया और दावा किया कि इस बार भागलपुर और सीमांचल की जनता वोट के माध्यम से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को इसका जवाब देगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि "प्रधानमंत्री का झूठा सबसे मजबूत है।" रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री का झूठ सबसे मज़बूत!! आज प्रधानमंत्री भागलपुर और सीमांचल में आ रहे हैं। इस अवसर पर हम उनके कुछ पिछले झूठे वादे याद दिलाना चाहते हैं और उनसे कुछ सीधा सवाल है।" उन्होंने कहा, "2015 में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भागलपुर में 500 एकड़ में 500 करोड़ से विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाऊंगा। 10 साल बाद, एक ईंट तक नहीं रखी गई।" कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या विक्रमशिला भी सवा लाख करोड़ वाले पैकेज के साथ हवा में उड़ गया? रमेश ने कहा, "2014 में प्रधानमंत्री ने मोतिहारी चीनी मिल के बारे में भरोसे से कहा था –अगली बार आऊंगा तो इसी मिल की चीनी से बनी चाय पियूंगा। 11 साल बीत गए। अभी भी लोग चाय पीने का इंतजार कर रहे हैं।" उन्होंने प्रश्न किया कि प्रधानमंत्री ने मोतिहारी के लोगों से इतना बड़ा झूठ क्यों बोला था? कांग्रेस नेता ने कहा, "2020 में दरभंगा एम्स के लिए 1,264 करोड़ रुपये का वादा किया गया। आज तक न भवन बना, न अस्पताल शुरू हुआ। और इस बीच 2023 में प्रधानमंत्री ने दरभंगा एम्स को चालू होने का दावा भी कर दिया।" उन्होंने सवाल किया कि क्या दरभंगा एम्स घोषणा–पत्र से बाहर निकलकर कभी हकीकत बनेगा? कांग्रेस महासचिव ने यह दावा भी किया कि सीमांचल में गरीबी और बदहाली अपने चरम पर है।

बिहार चुनाव से पहले राजनाथ का बड़ा चुनावी दांव, बोले–

नीतीश ने विकास किया, राजद ने भय फैलाया

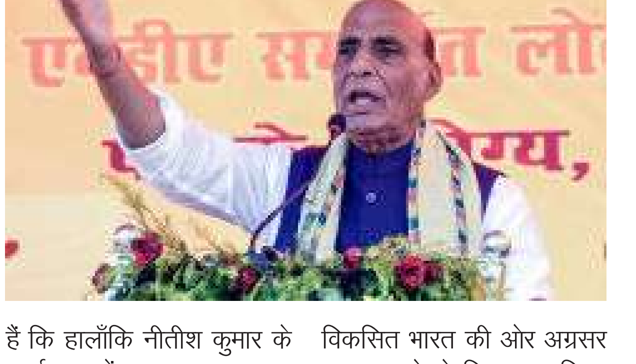

सीतामढ़ी,एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेदाग रिकॉर्ड की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 20 सालों में कोई भी उन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आपने बिहार में राजद सरकार को काम करते देखा है। पिछले 20 सालों से आप नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार देख रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि हालाँकि नीतीश कुमार के कार्यकाल में ज़्यादा काम हुआ, लेकिन थोड़ा और काम होता तो बेहतर होता। लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि अगर किसी ने बिहार को एक प्रगतिशील राज्य और एक विकसित भारत की ओर अग्रसर राज्य बनाने के लिए काम किया है, तो वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही हुआ है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि पिछले 20 सालों में चाहे कोई भी उनका विरोधी रहा हो, कोई भी नीतीश कुमार पर उंगली उठाकर यह नहीं कह सकता कि उन्होंने कोई भ्रष्टाचार किया है। सिंह ने राजद पर अपने शासनकाल में भय और अपराध का माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उस समय गुंडे और अपराधी खुलेआम घूमते थे। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए सरकार में लोग गर्व से कह सकते हैं कि बिहार एक विकसित और सुरक्षित राज्य बन गया है। सिंह ने कहा, राजद के शासनकाल में गुंडों और अपराधियों का बोलबाला था... हर कोई असुरक्षित महसूस करता था। अगर किसी ने बिहार की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है, तो वह राजद है।

रावेंद्र हत्याकांड में 50 हजार का इनामी नूरैन गिरफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में रोडवेज संविदा चालक रावेंद्र पासी उर्फ मुन्नू पासी हत्याकांड के मुख्य आरोपी 50 हजार के इनामी नूरैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नूरैन की तलाश में तीन टीमें लगातार छापेमारी कर रही थीं। जबकि नूरैन कोर्ट में सरेंडर करने की अर्जी डाल दी थी। 50 हजार के इनामी नूरैन पुत्र झरीमुल्ला उर्फ हाकिम अली को बेली गांव थाना पूरामुफ्ती से पकड़ा गया। वह रसूलपुर मरियाडीह थाना पूरामुफ्ती का रहने वाला है। बुधवार की देर रात धूमनगंज पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

इससे पहले फरार चल रहे नामी नुरैन और हसनैन ने कोर्ट में सरेंडर के लिए अर्जी दाखिल की थी। ये दोनों भाई कुख्यात गो–तस्कर हैं और इन पर पहले से पुलिस टीम पर हमले, हत्या के प्रयास, गोवध निवारण अधिनियम समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। हसनैन हत्या के एक पुराने केस में दोषी भी करार दिया जा चुका है। उधर इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस ने कोर्ट के आसपास चौकसी भी बढ़ा दी है। धूमनगंज व कर्नलगंज थाने की फोर्स के साथ ही एसओजी को भी तैनात किया गया है। एक एसीपी को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नॉन बेलेबल वारंट जारी कराने की भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए अर्जी भी दे दी गई है। इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी अली, कामरान, इरफान, हुसैन और फैसल को गिरफ्तार किया जा चुका है। फैसल को छोड़कर अन्य चारों नामजद आरोपी हैं। कुल सात नामजद आरोपियों में से नुरैन, हसनैन अभी फरार हैं। घटना के समय पेट्रोल पंप पर मौजूद अली ही वह शख्स था जो सीसीटीवी में रावेंद्र पर ईंट से हमला करते हुए नजर आया था।अली, कामरान, फैसल का नाम विवेचना के दौरान सामने आया था और उसे कुछ दिन पहले मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान सात अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा है, जिन पर फरार नामजद आरोपियों को शरण देने और भगाने में मदद करने का आरोप है। इनमें एक महिला भी शामिल है। इस तरह से अब तक इस हत्याकांड में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। फिलहाल मुख्य फरार आरोपी नुरैन और हसनैन के खिलाफ दबिश जारी है।

वांटेड को पकड़ने के लिए दूसरी मंजिल से छलांग लगाई

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में रावेंद्र पासी हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 50 हजार के इनामी आरोपी नुरैन को गिरफ्तार करने के दौरान सिपाही विनोद दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए। नुरैन बचने के लिए दो मंजिला मकान से कूद गया। उसे पकड़ने के लिए सिपाही विनोद ने भी छलांग लगा दी। इस दौरान उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और सीने में चोटें आईं। घायल सिपाही को सलोरी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना बुधवार देर रात करीब 2रू30 बजे प्रयागराज में हुई। पुलिस कमिश्नर जोगेंदर कुमार ने इनाम के 50 हजार रुपए सिपाही को देना का एलान किया है। साथ ही उसका नाम डीजी कमेंडेशन डिस्क व मुख्यमंत्री वीरता पुरस्कार के लिए भेजा जाएगा। पुलिस टीम 50 हजार के इनामी बदमाश नुरैन को पकड़ने बेली गांव गई थी। इसी दौरान उसने छत से छलांग लगाकर

भागने की कोशिश की। सिपाही विनोद दुबे ने बिना देर किए उसके पीछे कूदकर उसे धर दबोचा। इस दौरान उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और सीने में चोटें आईं। घटना बुधवार देर रात करीब 2रू30 बजे प्रयागराज में हुई। पुलिस टीम 50 हजार के इनामी बदमाश नूरैन को पकड़ने बेली गांव गई थी। इसी दौरान उसने छत से छलांग लगाकर भागने की कोशिश की। सिपाही विनोद दुबे ने बिना देर किए उसके पीछे कूदकर उसे धर दबोचा। इस दौरान उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और सीने में चोटें आईं। घायल सिपाही को सलोरी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोपहर में पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार और एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजयपाल शर्मा अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सिपाही का हालचाल लिया और आश्वासन दिया कि प्रयागराज पुलिस उनकी हर संभव मदद करेगी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जिस बदमाश पर 50 हजार का इनाम था, अब उतना ही इनाम सिपाही विनोद दुबे को देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही उनका नाम डीजी रिकमेंडेशन लिस्ट और मुख्यमंत्री वीरता पदक के लिए भेजा जाएगा। इनामी नुरैन 21 अक्टूबर को धूमनगंज में हुए रावेंद्र पासी हत्याकांड का आरोपी है। वह मरियाडीह का रहने वाला है, जो कभी माफिया अतीक अहमद का गढ़ माना जाता रहा है। नूरैन के खिलाफ हत्या के प्रयास, गैंगस्टर और एनडीपीएस एक्ट सहित कई मुकदमे दर्ज हैं।

प्रयागराज बना उत्तर प्रदेश का सबसे प्रदूषित शहर

प्रयागराज (संवाददाता)। संगम नगरी सितंबर माह में उत्तर प्रदेश का सबसे प्रदूषित शहर बनकर उभरी है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) द्वारा 17 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के अनुसार, शहर के कई इलाकों में पीएम10 कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कटरा इलाके में पीएम10 का स्तर 205 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। जो अनुमानित सीमा 100 माइक्रोग्राम से दोगुना है। यह पूरे प्रदेश में इस माह का सबसे ऊंचा स्तर रहा। अलोपीबाग में 202.01, रामबाग में 196.52 और जॉनसनगंज में 188.79 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। हापुड़ 180.68 के साथ पांचवें स्थान पर रहा। मथुरा के एक क्षेत्र में 179.46 माइक्रोग्राम दर्ज हुआ। जबकि प्रयागराज के अशोक नगर में स्तर 169 रहा, जो सातवें स्थान पर रहा। अशोक नगर में सर्किट हाउस समेत वीवीआईपी मूवमेंट सबसे ज्यादा होता है। कानपुर के रमा देवी इलाके में 148 और लखनऊ के हजरतगंज में 147.60 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। दसवें स्थान पर पुनः मथुरा का एक क्षेत्र 156.61 माइक्रोग्राम के स्तर के साथ रहा। रिपोर्ट से यह भी पता चला कि लखनऊ के सभी छह मॉनिटरिंग स्टेशनों पर प्रदूषण का स्तर अनुमानित सीमा से ऊपर है।

कारोबारी की योगी को धमकी- गोली मार दूंगा, 112 पर कॉल करके फरार हुआ, प्रयागराज में रातभर छापेमारी

प्रयागराज (संवाददाता)। सीएम योगी को धमकी देने वाला टेंट कारोबारी निकला है। उसने 2 नवंबर की रात 112 नंबर पर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी थी। कॉल पर उसने कहा था– सीएम को गोली मार दूंगा। आरोपी की पहचान प्रयागराज के सोरांव थाने के बरजी गांव निवासी मनीष दुबे के रूप में हुई है।

पुलिस टीमें लखनऊ और बाराबंकी समेत अन्य जिलों में उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही हैं। बुधवार रात पुलिस की स्पेशल टीम प्रयागराज स्थित मनीष के घर पहुंची, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। पूछताछ में पता चला कि वह परिवार के साथ लखनऊ शिफ्ट हो चुका है।

मनीष दुबे ने सीएम को किस मामले को लेकर धमकी दी? वह किस बात से चिढ़ा था? यह अभी साफ नहीं हो सका है।

इस मामले में 3 नवंबर को बाराबंकी कोतवाली में दरोगा सुदर्शन सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया है। एप्लिकेशन में लिखा– मैं प्रभारी चौकी मोहम्मदपुर में तैनात हूं। 2 नवंबर की रात 11:15 बजे PRV के पुलिसकर्मी ने सूचना दी कि मनीष दुबे नाम के व्यक्ति ने अपने मोबाइल से यूपी 112 पर कॉल करके सीएम को गोली मारने की धमकी दी है।

मौके पर पहुंचकर जांच की गई तो पाया गया कि धमकी देने वाले मोबाइल धारक का पूरा नाम मनीष दुबे निवासी ग्राम बरजी, थाना सोरांव, प्रयागराज है। PRV कर्मियों ने मनीष दुबे को कई बार फोन किया। उसने कभी लोकेशन चारबाग, लखनऊ बताई और कभी प्रयागराज बताकर मोबाइल बंद कर दिया।

आरोपी चार भाइयों में सबसे छोटा

पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी मनीष चार भाइयों में सबसे छोटा है। पुलिस अब उसके आपराधिक इतिहास और पारिवारिक पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। सोरांव थाना प्रभारी केशव वर्मा का कहना है कि आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

सीएम योगी को इससे पहले भी धमकियां दी गई हैं–

नवंबर 2024 : मुंबई की महिला ने सोशल मीडिया पर लिखा– योगी ने इस्तीफा नहीं दिया तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करेंगे। पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मार्च 2024 : योगी को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस मुख्यालय में तैनात हेड कॉन्स्टेबल के सरकारी नंबर पर कॉल आई।

जनवरी 2024 : आतंकी पन्नू ने वाइस मैसेज भेजकर अयोध्या में गिरफ्तार 3 आतंकियों को न छोड़ने पर योगी को जान से मारने की धमकी दी।

अप्रैल 2022 : वॉट्सऐप पर धमकी दी कि योगी को बम से उड़ा देंगे। धमकी देने वाले सरफराज को साइबर सेल ने राजस्थान से गिरफ्तार किया।

अप्रैल 2021 : डायल 112 के वॉट्सऐप नंबर पर मैसेज आया। सीएम के पास चार दिन हैं, मेरा जो करना है कर लो। 5वें दिन योगी को मार दूंगा।

दिसंबर 2020 : डायल 112 के वॉट्सऐप नंबर पर मैसेज भेजकर योगी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

नवंबर 2020 : डायल 112 के वॉट्सऐप पर योगी को जान से मारने की धमकी का मैसेज आया। नाबालिग लड़का आगरा से पकड़ा गया।

जुलाई 2020 : डायल 112 पर योगी को जान से मारने की धमकी आई। इसमें कानपुर देहात का 12वीं में पढ़ने वाला लड़का पकड़ा गया।

हर वक्त सीएम की सुरक्षा में 25 कमांडो रहते हैं

सीएम योगी के साथ हर समय NSG (नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स) के 25 कमांडो रहते हैं, यानी यदि इनकी शिफ्ट 8 घंटे की है तो कुल मिलाकर 75 कमांडो तैनात हैं। यह ब्लैक यूनिफॉर्म में रहते हैं। ब्ड योगी को मिली´ प्लस सुरक्षा में 5 बुलेटप्रूफ गाड़ियां भी शामिल रहती हैं। देश की चुनिंदा शख्सियतों को ऐसी सुरक्षा दी जाती है।

योगी की सुरक्षा में हर महीने 1 करोड़ 39 लाख खर्च

2017 में सपा के शतरुद्र प्रकाश ने योगी की सुरक्षा पर हो रहे खर्च को लेकर सवाल किया। सरकार की तरफ से जवाब आया कि हर महीने 1 करोड़ 39 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। सुरक्षा में एक अपर पुलिस अधीक्षक, सात पुलिस उपाधीक्षक, 52 निरीक्षक, 21 उप निरीक्षक, 23 मुख्य आरक्षी और 127 आरक्षी तैनात किए गए हैं। हालांकि इसमें छैळ पर होने वाला खर्च शामिल नहीं है।

प्रयागराज में किशोरी की गला रेतकर हत्या

घर से 200 मीटर दूर खून से लथपथ लाश मिली, हत्या की वजह तलाश रही पुलिस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के घूरपुर में गुरुवार सुबह 15 साल की किशोरी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शव घर से करीब 100 मीटर दूर खून से लथपथ हालत में मिला। हत्या किसने और क्यों की, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। परिवारवाले किसी से रंजिश की बात से इंकार कर रहे हैं और किसी पर शक भी नहीं जताया है। डीसीपी यमुनानगर, एसीपी कौंधियारा ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

किशोरी की पहचान घूरपुर के कांटी गांव निवासी रमेश कुमार की बेटी सरिता के रूप में हुई। परिवार वालों का कहना है कि वह मानसिक रूप से दिव्यांग थी। परिजनों के मुताबिक, वह रोज की तरह सुबह करीब 5.30 बजे घर से निकली थी। करीब 8 बजे ग्रामीणों ने उसकी लाश घर से करीब 100 मीटर दूर पानी भरे खेत के पास पड़ी देखी। उसकी गर्दन पर धारदार हथियार से वार के गहरे निशान थे।

पिता रमेश मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। मौके पर पहुंची फोरेंसिक

टीम ने घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य सबूत जुटाए हैं। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किशोरी के गर्दन पर जख्म के निशान मिले हैं। अब तक कि पूछताछ में परिवार ने किसी से रंजिश से इनकार किया है। हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच कराई जा रही है।

सरिता माता–पिता की चार संतानों में इकलौती बेटी थी। वह तीसरे नंबर पर थी। दो भाई उससे बड़े जबकि एक छोटा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घरवालों से पूछताछ की गई तो यह सामने आया कि वह मानसिक रूप से कमजोर थी। अक्सर घर से निकल जाया करती थी और कुछ देर बाद वापस आ जाती थी। बृहस्पितवार सुबह भी वह घर से निकली तो घरवालों ने सोचा कि थोड़ी देर में आ जाएगी। आठ बजे के करीब गांव के कुछ लोगों से सूचना मिली कि सरिता मृत पड़ी है। वह भागकर मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसकी गर्दन में गहरा जख्म था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस जगह पर किशोरी की लाश मिली, वहां आने जाने का कोई रास्ता नहीं है। यह खाली जमीन है जिसके कुछ हिस्से में पानी भरा है। इसके किनारे ही वह मृत पड़ी मिली। ऐसे में माना जा रहा है कि हत्या के लिए ही उसे वहां ले जाया गया। आशंका इस बात की भी है कि उसे जबरन नहीं बल्कि बहलाफुसलाकर ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि गर्दन के अलावा शरीर पर अन्य कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले हैं।

घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम के साथ डॉग स्क्वॉड का भी बुलाया गया। एक चौंकाने वाली बात यह रही कि घटनास्थल पर कुछ देर इधर–उधर घूमने के बाद ट्रैकर डॉग सीधे मृतका के घर पहुंच गया। इसके बाद वह वहीं मंडराता रहा। उधर फोरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल कलेक्ट किए।

पुलिस अफसरों का कहना है कि प्राइमाफेसी किसी तरह के सेक्सुअल असॉल्ट की बात भी सामने नहीं आई है। कपड़े भी पूरी तरह से सुरक्षित थे। ऐसे में हत्या की वजह राज बनी हुई है। परिवारवालों से पूछताछ में यह भी बात सामने आई है कि उसके पास कोई बाइल फोन नहीं था।

घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी है। परिजन सदमे में हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के साथै ळ को भी लगाया गया है।

पोस्ट ऑफिस में 15.67 लाख का गबन, प्रयागराज में हाईकोर्ट के एक्स ज्वाइंट रजिस्टार की 7 साल पहले मौत, खाते से रकम गायब

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व ज्वॉइंट रजिस्ट्रार अशोक कुमार वर्मा के खाते से करीब 15 लाख 67 हजार रुपये रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। इसकी जानकारी तब सामने आई, जब उनके निधन के करीब सात साल बाद जब पत्नी मधुबाला श्रीवास्तव कानूनी प्रक्रिया पूरी कर खाते की रकम निकालने उप डाकघर हाई कोर्ट शाखा पहुंचीं। पासबुक एंट्री देखकर हैरान रह गईं। पता चला कि पूरी रकम पहले ही निकाली जा चुकी थी।

न्याय नगर कंधईपुर धूमनगंज निवासी अशोक कुमार वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में ज्वाइंट रजिस्ट्रार पद पर कार्यरत थे। उनका निधन 25 जून 2018 को हुआ था। उनके नाम से इलाहाबाद हाईकोर्ट डाकघर शाखा में एक बचत खाता था, जिसमें कुल 15,67,669 रुपये जमा थे। उनकी पत्नी मधुबाला श्रीवास्तव ने बताया कि खाते में किसी का नाम नॉमिनी के रूप में दर्ज नहीं था।

26 सितंबर को जारी हुआ सक्सेशन सर्टिफिकेट

पति के निधन के बाद लंबी कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मधुबाला ने उत्तराधिकार प्रमाणपत्र (Succession Certificate) प्राप्त किया, जो 26 सितंबर 2025 को उनके नाम पर जारी हुआ। इसके बाद वे 24 अक्टूबर को पोस्ट ऑफिस हाईकोर्ट शाखा पहुंचीं ताकि खाते की राशि अपने नाम ट्रांसफर करा सकें।

पासबुक एंट्री में खुला बड़ा राज

वहां पासबुक अपडेट कराने पर मधुबाला हैरत में पड़ गईं। दरअसल खाते का बैलेंस जीरो था और पूरी रकम पहले ही निकाली जा चुकी थी। यह भी मालूम हुआ कि खाते से अलग–अलग तारीख में अलग–अलग रकम नकद व चेक के जरिए निकाली गई है।

निकासी इस प्रकार से हुई...

04 जुलाई 2024 : तीन बार में 4 लाख रुपये, 3 लाख रुपये, और 3 लाख रूपये नकद निकाले गए

08 जुलाई 2024 : 5,67,000 रुपये चेक से

13 सितंबर 2025 : 15,500 रुपये नकद निकाले गए

पोस्ट ऑफिस कर्मचारियों पर साजिश का शक

मधुबाला श्रीवास्तव का आरोप है कि उनके पति के निधन के बाद किसी अन्य व्यक्ति की ओर से खाते से पैसे निकालना पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। उनके बेटे विकास सागर ने बताया कि जब उन्होंने अधिकारियों से जवाब मांगा तो उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। अधिकारी मामले को टालते रहे।

मधुबाला ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने डाक विभाग के अफसरों से लेकर कैंट थाने तक में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस अधिकारी बनकर की साइबर ठगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में रहने वाली महोबा की एक युवती साइबर ठगी का शिकार हो गई। आरोप है कि अज्ञात जालसाजों ने खुद को अफसर बताकर युवती को डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी और ओटीपी पूछकर उसके खाते से 50 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़िता ने इस

मामले में कैंट थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़िता रोशनी, अजनार के बड़ोखेरा (महोबा) की निवासी हैं। उन्होंने बताया कि उनका सेविंग अकाउंट प्रयागराज के मेडिकल चौराहा स्थित कोटक महिंद्रा बैंक में है। वह गूगल–पे ऐप से खाते का इस्तेमाल करती हैं। 28 अक्टूबर को उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। कॉलर ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि उनका मोबाइल नंबर सर्विलांस पर है। कॉल काटने पर उन पर मुकदमा दर्ज होने की धमकी दी।डर के कारण रोशनी ने फोन नहीं काटा। इसके बाद आरोपित ने एक लिंक भेजकर ओटीपी पूछ लिया। ओटीपी साझा करते ही खाते से दो बार में कुल 50 हजार रुपये कट गए। छानबीन में पता चला कि यह रकम किसी पंकज गुप्ता के नाम पर यूपीआई ट्रांसफर हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस कमिश्नर पहुंचे नैनी कोतवाली, पूछे सवाल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर जोगिंदर सिंह और जेसीपी अजय पाल शर्मा ने गुरुवार को यमुनापार स्थित नैनी कोतवाली का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में बने महिला मिशन शक्ति केंद्र को देखा। इसके बाद उन्होंने वहां पर रखे गए रजिस्टर में दर्ज मामले की जांच की और महिलाओं के मामले में तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। कमिश्नर ने महिला मिशन शक्ति केंद्र की ओर से महिलाओं को जागरूक किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी भी की।

उन्होंने देखा पहले महिला हेल्प डेस्क में आने वाले मामलों की अपेक्षा अब महिला मिशन शक्ति केंद्र में कितना बदलाव हुआ है। एक घंटे के इस निरीक्षण में उन्होंने नैनी इंस्पेक्टर ब्रज किशोर गौतम के कार्यों पर संतुष्टी जताई। निरीक्षण के दौरान, कमिश्नर ने कार्यालय में पहुंचकर अपराध, हिस्ट्रीशीटर, वांछित आरोपियों सहित अन्य मामलों के रजिस्टरों की समीक्षा की। उन्होंने नैनी इंस्पेक्टर को महिलाओं से संबंधित मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कमिश्नर ने कोतवाली में बने कंप्यूटर कक्ष, इंस्पेक्टर के कमरे को देखा। परिसर में खड़े जब्त किए गए वाहनों की अव्यवस्था पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इन वाहनों को व्यवस्थित तरीके से रखने का निर्देश दिया। कमिश्नर प्रयागराज ने थाने में आने वाले फरियादियों के बैठने की व्यवस्था के बारे में भी नैनी इंस्पेक्टर से पूछा। जिसपर बताया गया कि फरियादियों के बैठने और पानी की व्यवस्था में की कमी नहीं है। कमिश्नर जोगिंदर सिंह ने नैनी थाने में तैनात हेड मुहर्रिर अशोक यादव से शस्त्रागार और मलखाने की जानकारी ली। कमियां पाए जाने पर फटकार भी लगाई। उन्होंने थाने के मलखान में जब्त सामानों को तत्काल निस्तारित करने को कहा और शास्त्रों की सफाई और सही से देख रखने का निर्देश दिया। पुलिस कमिश्नर ने नैनी में पड़े लंबित मामलों में कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जो पुराने मामले लंबित पड़े है उसमें जल्द कार्रवाई करे। इसके साथ जमीन से जुड़े मामले में पुलिस को राजस्व की टीम के साथ मिलकर कार्य करने को कहा।

प्रयागराज में अधेड़ की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज–मीरजापुर मार्ग पर पचदेवरा गांव के सामने गुरुवार तड़के एक अधेड़ व्यक्ति सड़क किनारे घायल अवस्था में मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कोरांव थाना क्षेत्र के देवघाट नई

बस्ती निवासी 54 वर्षीय धर्मपाल पुत्र मुन्नीलाल के रूप में हुई है। धर्मपाल मजदूरी का काम करता था। परिजनों ने बताया कि बुधवार को धर्मपाल बगल के गांव के ठेकेदार और तीन अन्य मजदूरों के साथ दिल्ली मजदूरी के लिए निकला था। दोपहर करीब दो बजे सभी शहर पहुंचे। हालांकि, योजना में बदलाव के कारण वे सरकारी बस से घर लौटने लगे। धर्मपाल पचदेवरा गांव के पास बस से उतर गया था और उसने कहा था कि वह किसी अन्य साधन से घर पहुंचेगा। सुबह ग्रामीणों ने उसे सड़क किनारे घायल अवस्था में पाया था। पुलिस के अनुसार, यह हादसा किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ है। करछना थाना प्रभारी अनूप सरोज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। धर्मपाल अपने चार भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके परिवार में पत्नी श्यामा देवी, दो बेटे ऊदल और सुगन, तथा तीन बेटियां हैं।

माघ मेले में पहली बार परेड मैदान बनेगा सेक्टर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आगामी माघ मेले के लिए नई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस बार पहली बार शहर के परेड मैदान को एक नया सेक्टर बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अरैल क्षेत्र में भी एक पूर्ण सेक्टर बसाने की तैयारी है, जिसका क्षेत्रफल पिछले वर्षों की तुलना में अधिक होगा। पिछले माघ मेले में पांच सेक्टर और अरैल को एक उप–सेक्टर के रूप में बसाया गया था। इस बार कुल सात सेक्टर बनाने की योजना है। संगम क्षेत्र को सेक्टर एक, काली मार्ग से शास्त्री ब्रिज के आगे दारागंज तक सेक्टर दो, और परेड मैदान को सेक्टर तीन बनाया जाएगा। झूंसी में सेक्टर चार, पांच और छह स्थापित किए जाएंगे, जबकि अरैल को सेक्टर सात के रूप में विकसित किया जाएगा। यह व्यवस्था मेले के विस्तार और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर की गई है।

पूर्व विधायक शहनवाज राणा का बेटा अब्दुल अहद गिरफ्तार

पुलिस ने देर रात किया गिरफ्तार, करोड़ों की टैक्स चोरी और गैंगस्टर एक्ट से जुड़े मामलों में राणा परिवार पर शिकंजा कसा

मुजफ्फरनगर। कभी बसपा के कद्दावर नेता और बिजनौर से विधायक रहे जिले के प्रमुख औद्योगिक घराने राणा परिवार के सदस्य शाहनवाज राणा के परिवार पर कानूनी शिकंजा और कस गया है। बुधवार देर रात पुलिस ने उनके बेटे अब्दुल अहद राणा को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उस मुकदमे के सिलसिले में की गई, जिसमें आरोप है कि उसने जेल में बंद अपने पिता तक मोबाइल फोन पहुंचाया था और करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी में सक्रिय भूमिका निभाई थी। पुलिस ने यह कार्रवाई शहर के एक बैंक्वेट हॉल में चल रहे पारिवारिक शादी समारोह से की, जहां आधी रात करीब 12 बजे अब्दुल अहद को गिरफ्तार किया गया।

अब्दुल अहद के खिलाफ लगभग आठ महीने पहले मुकदमा दर्ज कराया गया था। यह वही मामला है जो पूर्व विधायक शहनवाज राणा के द्वारा उनके परिवार की वहलना चौक स्थित राणा स्टील फैक्ट्री पर सेंट्रल जीएसटी की छापेमारी से जुड़ा है। 5 दिसंबर 2024 को हुई इस छापेमारी के दौरान जीएसटी टीम पर हमला किया गया था। घटना के बाद राणा परिवार के लोगों और उनके समर्थकों के खिलाफ तीन अलग–अलग एफआईआर दर्ज की गई थीं। इसमें शाहनवाज राणा और पूर्व सांसद कादिर राणा की बेटियों को गिरफ्तार किया गया था।

एफआईआर में राणा परिवार के सदस्यों और 200 से 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी दल पर हमला और गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।मार्च 2025 में जब शहनवाज राणा मुजफ्फरनगर जेल में बंद थे, तभी उनके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि यह मोबाइल जेल के भीतर अब्दुल अहद और उसके साथियों की मदद से पहुंचाया गया था। इसके बाद नई मंडी थाने में शहनवाज राणा, अब्दुल अहद, पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी, नौकर आमिर और अन्य के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हुआ। इस घटना के बाद राणा को सुरक्षा कारणों से चित्रकूट जेल स्थानांतरित कर दिया गया था। लगभग नौ महीने बाद 24 अगस्त 2025 को शहनवाज राणा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। रिहाई के बाद से वे मुजफ्फरनगर में ही रह रहे थे, जबकि पुलिस और जीएसटी विभाग उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे।

एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि अब्दुल अहद राणा के खिलाफ पुलिस के पास पर्याप्त साक्ष्य हैं। प्रारंभिक जांच से स्पष्ट हुआ है कि उसने न केवल जीएसटी चोरी के नेटवर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि जेल में बंद अपने पिता तक मोबाइल फोन पहुंचाने की साजिश में भी शामिल था। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। चाहे व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, अपराध करने पर उसे बख्शा नहीं जाएगा। मामले में शामिल अन्य संदिग्धों की भूमिका का भी परीक्षण किया जा रहा है।अब्दुल अहद के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया था गैर जमानती वारंट

पूर्व विधायक शाहनवाज राणा के पुत्र अब्दुल अहद राणा की गिरफ्तारी को लेकर एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने मीडिया कर्मियों को बताया कि जनपद मुजफ्फरनगर में थाना नई मंडी पुलिस ने लंबे समय से वांछित चल रहे अभियुक्त अब्दुल आहद राणा को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 05ध्06 नवंबर 2025 की दरमियानी रात को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर की गई। अभियुक्त के खिलाफ थाना नई मंडी ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), कारागार अधिनियम की धारा 42, दूरसंचार अधिनियम की धारा 42 जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत था।एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि अभियुक्त

अब्दुल आहद राणा उक्त मुकदमे में वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए माननीय न्यायालय से भी एनबीडब्ल्यू (गैर–जमानती वारंट) जारी किए गए थे। थाना नई मंडी पुलिस टीम ने लगातार दबिश और चेकिंग जारी रखी जिसके परिणामस्वरूप बीती रात अभियुक्त को दबोच लिया गया। बताया कि अब्दुल आहद राणा पर यह गंभीर आरोप है कि उसने जेल में मुलाकात के दौरान एक योजनाबद्ध तरीके से मोबाइल फोन को अपने पिता शाहनवाज राणा तक पहुंचाया था। जो पहले से ही जेल में बंद थे। इस कृत्य के बाद ही उस पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। नई मंडी पुलिस ने अब्दुल अहद को रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया।

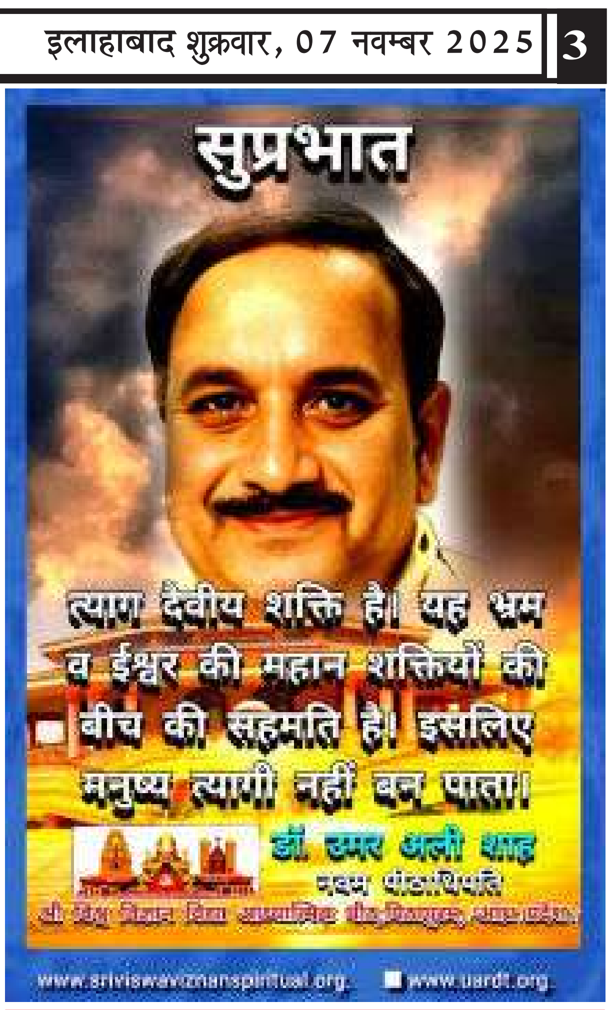

गेंदा पावन फूल है

(कुण्डलिया)

उत्सव के अनुसार ही, तोरण का धर रूप।
गेंदा घर उर्जित करें, जैसे करती धूप।
जैसे करती धूप, धरा को जीवन देकर।
वैसे ही यह फूल, खिल रहा खुशियाँ लेकर।
सुन लो कहें प्रदीप, न समझो इनको लाघव।
आशा की बन ज्योति, बने हर दिल का उत्सव।।

कभी सजावट में दिखा, कभी गले का हार।
गेंदा पावन फूल है, कुदरत का उपहार।
कुदरत का उपहार,दिलों की खुशियाँ बनकर।
हँसता है दिन–रात, महकता खुशबू भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता तनिक दिखावट।
शुभ बनकर आ पास, दिलों की करे सजावट।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मंडी समिति सचिव से मिले नवीन मंडी व्यापार संघ के पदाधिकारी

मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा एवं महामंत्री मनीष चौधरी ने आज मंडी समिति सचिव विरेन्द्र कुमार चंदेल से भेंट की। बैठक में व्यापारियों ने गुड़ की आवक में कमी पर चिंता व्यक्त की और गुड़ माफियाओं पर अंकुश लगाने की मांग उठाई। साथ ही मंडी स्थल पर स्ट्रीट लाइट लगवाने, कुछ व्यापारियों की दुकानों पर पक्के फड़ों के निर्माण तथा पिछली प्रस्ताव में छूटे सड़क के टुकड़ों के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की मांग भी रखी। इस पर सचिव विरेन्द्र कुमार चंदेल ने आश्वासन दिया कि सभी आवश्यक कार्य शीघ्र कराए जाएंगे तथा गुड़ माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पी.आर.पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जी डी गोयंका पब्लिक स्कूल में आयोजित अंतर -विद्यालय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। पचेंड़ा रोड स्थित पी.आर.पब्लिक स्कूल के कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 तक के छात्र– छात्राओं ने जी डी गोयंका पब्लिक स्कूल में आयोजित श्री गोपीचंद गोयल स्मृति अंतर विद्यालय प्रतियोगिता 2025 में अलग–अलग प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए। खेल प्रशिक्षक शंकर शर्मा जी के नेतृत्व में टीम ने प्रतिभाग किया। अंडर 19 फुटबॉल टीम ने कप्तान शशांक के नेतृत्व में सेकंड रनर अप,अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में कप्तान ईशान नेगी के नेतृत्व में सेकंड रनर अप का खिताब प्राप्त किया। क्रिकेट टीम के कप्तान ईशान नेगी ने दो बार मैन ऑफ द मैच तथा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी प्राप्त किया। अंडर 12 चेस प्रतियोगिता में अंकिता, रावि वंशिका ने

तृतीय स्थान प्राप्त किया, अंडर 12 कैरम प्रतियोगिता में वैभवी और नव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, हिंदी नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिता में कक्षा 9 और 10 के छात्र–छात्राओं खुशी, रितिका, अवनी गर्ग, देवांश, अथर्व, निकुंज, विप्लव, अश्वनी ने मुंशी प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर का मंजन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया, यूकेजी के छात्र अफगान ने मोजैक आर्ट में तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल जी ने सभी विजेता प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेलों से बच्चों के जीवन में सहयोग की भावना का विकास होता है। खेलों से हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है। बच्चों में नेतृत्व की भावना विकसित करने के लिए यह आवश्यक है एवं खेल शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है। अतरू बच्चों को खेलों में उत्साह के साथ भाग लेना चाहिए। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों , शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा–खेल, चाहे टीम–आधारित हों या व्यक्तिगत, बच्चों के लिए बहुत अच्छे हैं क्योंकि वे न केवल शारीरिक गतिविधि प्रदान करते हैं, बल्कि बच्चों के आत्म–सम्मान, आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल का निर्माण करने और उन्हें जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में भी मदद करते हैं इन प्रतियोगिताओ के लिए बच्चों की तैयारी और मार्गदर्शन करने में दिव्या शर्मा, खेल प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, शंकर शर्मा, चांदनी, ममता पुंडीर, प्राची त्यागी,बीना वत्स , मुस्कान आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

नुमाइश मेला में अव्यवस्थाओं पर शिवसेना ने उठाए सवाल, ट्रेड फेयर बढ़ाए जाने का किया विरोध

मुजफ्फरनगर। जिला कार्यालय पर शिवसेना पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नुमाइश मैदान में चल रहे ट्रेड फेयर (नुमाइश मेला) की व्यवस्थाओं को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि शिवसेना द्वारा कई बार प्रशासन को मेले की कमियों, असुरक्षित ढाँचों, अव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था, अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण और अवैध वसूली की शिकायतों से अवगत कराया गया, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने बताया कि यह मेला 7 नवंबर 2025 को समाप्त होना तय था, किंतु जानकारी मिल रही है कि इसे आगे बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि मेले की अवधि बढ़ाई गई तो शिवसेना इसका कड़ा विरोध करेगी। मेला क्षेत्र में रोजाना देर रात तक लाउडस्पीकर बजने से आसपास के आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है। साथ ही पास के विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की पढ़ाई पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जनवरी माह में परीक्षाएँ प्रस्तावित हैं, ऐसे में यह ध्वनि प्रदूषण और अव्यवस्था छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। शिवसेना पदाधिकारियों ने एकस्वर में कहा कि प्रशासन को जनहित को ध्यान में रखते हुए मेला समय पर समाप्त कराना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मेले की अवधि आगे बढ़ाई गई तो शिवसेना शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होगी। बैठक में जिला प्रभारी आनंद प्रकाश गोयल, देवेंद्र चौहान, सूरज शेट्टी, विनीत कुमार, भुवन मिश्रा, चेतन देव विश्वकर्मा, अरुण कुमार, श्यामवीर, अमित कुमार, शुभम वाल्मीकि, दिनेश कुमार, बलिंदर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्वनाथ में भारतीय निर्वाचन आयोग का विशेष कार्यक्रम `चुनाव पाठशाला' कार्यक्रम का आयोजन

चुनाव पाठशाला कार्यक्रम में 18 वर्ष के हुए नए 16 मतदाताओं का आवेदन पत्र संग्रह किया गया

विश्वनाथ,असम। भारतीय निर्वाचन आयोग के 70 नंबर विश्वनाथ विधानसभा के मतदान केंद्र 184 सर्वेश्वर भागवती प्राथमिक विद्यालय (पूर्व अंश)और 185 सर्वेश्वर भागवती प्राथमिक विद्यालय (पश्चिम अंश) के मतदाताओं के जागरूकता के लिए प्रथम "चुनाव पाठशाला " और मतदाता जागरूकता मंच कार्यक्रम आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार विश्वनाथ चारिआलि शहर के सूर्यपुर बालिपुखुरी (कमारगांव)में स्थित सर्वेश्वर भागवती प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को प्रातः 11 बजे "चुनाव पाठशाला" कार्यक्रम का अध्यक्षता वरिष्ठ मतदाता तथा समाजसेवक इंद्र दास ने किया और सभा का संचालन संयुक्त रूप से 184 केंद्र के बीएलओ संतोष कुमार महतो और 185 मतदान केंद्र के बीएलओ इंद्रजीत गुप्ता ने किया। जिसमें सभा का उद्देश्य व्याख्या 184 मतदान केंद्र के बीएलओ संतोष कुमार महतो ने की।इसके बाद 185 मतदान केंद्र के बीएलओ इंद्रजीत गुप्ता ने मतदाताओं के समक्ष आवेदन फॉर्म नंबर 6,7, और 8 के संबंध में विस्तार सेजानकारी दी। उपस्थित मतदाताओं ने मतदाता सूची के नाम संशोधन

और नए नाम शामिल के संबंध में सभा से जानकारी ली। सभा में उपस्थित लेहूँगांव के सीआरसी नवज्योति गोस्वामी ने ष्चुनाव पाठशालाष कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। इसके बाद निर्वाचन साक्षरता क्लब, चुनाव पाठशाला और मतदाता जागरूकता मंच का गठन किया गया। जिसमें विश्वनाथ प्रखंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी तथा मतदान केंद्र के पर्यवेक्षक पीटर चौधरी के मार्गदर्शन में विद्यालय के प्रधान शिक्षिका मिताली शइकीया ,गाँव प्रधान दीपक हाजरिका, लेहूँगांव पंचायत सदस्य विजय रॉय , निर्मल मालाकार, शिक्षिका लजी दे , 18 वर्ष के नए और वरिष्ठ मतदाताओं को लेकर चुनाव साक्षरता क्लब का गठन किया गया। इसके बाद बूथ स्तरीय अधिकारी ने सामूहिक रूप से मतदाताओं से शपथ पत्र पाठ करवाया। तत्पश्चात् मतदान केंद्र के 18 वर्ष हुए नए 16 मतदाताओं का आवेदन पत्र ग्रहण किया। अंत में सभा के अध्यक्ष इंद्र दास ने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए अपना वोट जरूर डाले और अपने केंद्र में सौ प्रतिशत मतदान कराएं।

नवोदय वैश्विक प्रज्ञान साहित्यिक मंच के सातवें वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

तिनसुकिया गोलघाट। नवोदय वैश्विक प्रज्ञान साहित्यिक मंच का सातवां वार्षिकोत्सव 04 नवम्बर 2025 मंगलवार को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सबसे पहले डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय के द्वारा गणेश वंदना से हुई। तत्पश्चात लवकुश तिवारी ने अपनी सुमधुर कंठो से सरस्वती वंदना, सुर कोकिला स्वर्ण लता सोन के द्वारा गुरु वंदना, शशिकला नायक के द्वारा देवी वंदना, संजीव कुमार भटनगार के द्वारा श्रीराम वंदना, कृष्ण कान्त मिश्र के द्वारा समस्त देव वंदना, और अतिथियों का स्वागत डॉ. जे. एन भारती बैरागी के द्वारा किया गया। उसके बाद मंच पर लगातार फेसबुक लाइव, वीडियो और लिखित माध्यमों से शुभकामनाओं का दौर चलता रहा। वार्षिकोत्सव की मुख्य विशेषता सायं 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक सुंदर काण्ड का हुआ आभासी आयोजन हुआ। जिसमें बारह प्रतिभागियों लवकुश तिवारी, शशिकला नायक, रूपा माला, अमिता, एकता, प्रीती, रंजना बिनानी, सुधीर श्रीवास्तव, प्रतिभा पाण्डेय, पूर्णिमा पाण्डेय, सुनील कुमार ने 5–5 दोहे और स्वर्णलता सोन ने हारमोनियम के साथ 5 दोहों के आरती गायन किया। इन सभी ने अपने मधुर प्रस्तुतियों से सबका मन तो मोहा ही, आयोजन को भक्तिमय भी कर दिया। सुंदर काण्ड की शुरूआत मंत्रोच्चार एवं पूजन के साथ मंच के संस्थापक डॉ. ओउम प्रकाश मिश्र ने किया। दि ग्राम टुडे देहरादून के समूह संपादक शिवेश्वर दत्त पाण्डेय की शुभकामनाएं मंच को प्राप्त हुई। वरिष्ठ साहित्यकार कवि डॉ. राकेश सक्सेना, उन्मुक्त उड़ान मंच की अध्यक्षा डॉ. दवीना अमर ठकराल और उपवन के अध्यक्ष रोहित कुमार रोज ने मंच को अपनी शुभकामनाओं के साथ आशीर्वचन प्रदान किया। कार्यक्रम में मंच की उपाध्यक्षा डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय ने आभासी माध्यम से वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस मंच द्वारा अब तक कुल 106 पत्रिकाएं प्रकाशित हो चुकी है। उसके बाद मंच के संस्थापक डॉ. ओउम प्रकाश मिश्र ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में सबका आभार ज्ञापन किया और अब से मंच के नए अध्यक्ष के रूप में कृष्ण कान्त मिश्र के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि मेरी भूमिका अब संस्थापक अध्यक्ष के रूप में रहेगी। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ वाई एस पाण्डेय ने सभी को वार्षिकोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सम्मानित अतिथि आरपीएस समाचार के प्रधान संपादक रघुनाथ प्रसाद शास्त्री जी ने भी अपनी लिखित संवेदना प्रकट की और बधाई दी।मुख्य अतिथि डॉ. यज्ञनाथ मिश्र ने अपनी शुभकामनाएं दी। देव अतिथि डॉ छगन लाल गर्ग विज्ञ ने मंच को आशीर्वाद दिया और वार्षिक उत्सव की बधाई दी।प्रो. शरद नारायण खरे ने अपनी शुभकामना व मधुर प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। वीना टण्डन, कुलदीप सिंह रुहेला, गौतम सिंह अनजान, सुरेशचंद्र जोशी, रजनी हरीश, नवल किशोर सिंह, अशोक दोषी,रंजना बिनानी सहित तमाम कवि कवयित्री मंच पर उपस्थित होकर अपनी शुभकामनाएं बधाइयां दी। अंत में डा. राजीव रंजन मिश्र ने अपनी शुभकामनाओ के साथ एक शानदार गजल पढ़ी। यह कार्यक्रम और खास तब हो गया जब 7 साल की बच्ची अन्वेषा पाण्डेय ने अपने बधाई संदेश का वीडियो प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मंच के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कान्त मिश्र ने किया। और कहा मंच का सातवां वार्षिकोत्सव वास्तव में एक उत्सव जैसा था। अंत में सभी प्रतिभागी साहित्यकारों को विभिन्न सम्मानित किया गया।

सर्व वैश्य चेतना जागरण महासंघ भारत ने बिहार चुनाव में भाजपा को दिया समर्थन

प्रयागराज। आज सर्व वैश्य चेतना जागरण महासंघ भारत की बैठक आहूत की गयी। बैठक में सभी पदाधिकारीगण और सदस्यगण शामिल हुए। राष्ट्रीय प्रवक्ता रामललन वर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में केन्द्रीय कार्यालय जार्ज टाऊन में बैठक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में महिला प्रमुख श्रीमती बबली साहू ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अम्बिका प्रसाद गुप्ता ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास तेजी से हो रहा है इसलिए हमारे संगठन के सभी लोग बिहार विधान सभा चुनाव में बूथ टू बूथ मतदाताओं को पहुँचाने का काम करें ताकि भाजपा की सरकार बन सके। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी जैसे महान नेता की जरूरत देश के लिए आवश्यकता है। आज की बैठक सर्वसम्मती से समर्थन बिहार राज्य वि०स० चुनाव में भा०ज०पा० सरकार बनाने के लिए समर्थन दे रहा हूँ। विशिष्ट अतिथि स्वामी गोपाल नाथ योगी महाराज ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि प्रतिष्ठा और अवसर की समानता सुनिश्चित करने तथा अखण्डता और बन्धुता बढ़ाने के लिए और बिहार राज्य विधान सभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प बहुमत से ऊपर उठकर बनेगा यही हमारा आज की बैठक में भाजपा व मोदी को समर्थन सहित आशीर्वाद दे रहा हूँ। आज की बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार रामललन साहू, राष्ट्रीय प्रमुख उपाध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय महिला प्रमुख उपाध्यक्ष श्रीमती शैल कुमारी गुप्ता, बिहार राज्य से आये प्रदेश अध्यक्ष गरीब नाथ शाह एडवोकेट, प्रमुख महिला ऐश्वर्या केशरवानी एडवोकेट, दिलीप जायसवाल, हरिकिशन अग्रहरी, नरेन्द्र गुप्ता, बनवारी लाल प्रधान, सुरेश कुमार मंत्री, शिवकुमार गुप्ता, मोहनलाल गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता, एकनाथ खर्जुल मराठा, देवदास मराठा, राधेश्याम खण्डेलवाल, त्रिभुवननाथ सिंघल, नाथूराम साहू श्रीमती सीमा गुप्ता, जियनी गुप्ता, विनोद कुमार गोयल, प्रेमचन्द्र अग्रवाल, राजेश केशरवानी, जमुना साहू, आशिका प्रसाद गुप्ता, शंकरलाल गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता एडवोकेट, गुड्डू गुप्ता वरिष्ठ एडवोकेट, रामजियावन गुप्ता, मिथिलेश साहू, अयोध्या प्रसाद केशरवानी, प्रेम कुमार कसौधन, मधुसूदन गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित बैठक का आनन्द लिया और राष्ट्रीय गौख तथा संगठन की गतिविधियों को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

सम्पादकीय.......

भयावह असमानता

उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता अपने चरम पर जा पहुंची है। एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। जिस बात की पुष्टि स्वतंत्र विशेषज्ञों के जी–20 पैनल द्वारा किए एक अध्ययन के निष्कर्षों में की गई है। इस अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 और 2024 के बीच दुनिया भर में बनी नई संपत्तियों का बड़ा हिस्सा दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास है। जबकि निचले स्तर की आधी आबादी के हिस्से में एक प्रतिशत ही आया है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब गुरबत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति–निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। वहीं दूसरी ओर राज्य के विपक्ष ने भी इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। लेकिन इसके बावजूद राज्य में जन–केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने हजारों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। इसमें दो राय नहीं कि यदि सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहले करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक पहल की जा सकती है। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है। जनता को मुफ्त में सुविधाएं देने के बजाय ऋण व अनुदान से उत्पादकता बढ़ाकर उन्हें स्वावलंबी बनाना होगा। प्रत्येक चिन्हित गरीब परिवार के लिए सूक्ष्म योजनाएं तैयार करना और उन्हें क्रियान्वित करना उचित होगा। निस्संदेह, देश के अन्य राज्य भी अपनी जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार केरल के मॉडल को अपना सकते हैं। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को अनुकूल आंकड़ों का सहारा लेना भी जरूरी होगा। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने बताया था कि भारत 2011–12 और 2022–23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। केंद्र सरकार ने अपने काम के लिये खुद की पीठ भी थपथपाई थी। हालांकि, गरीबी के अनुमानों की रिपोर्टिंग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाये गए थे। निर्विवाद रूप से सभी हितधारकों को यह तथ्य समझना होगा कि केवल संख्याएं ही पूरी तस्वीर को नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव नजर भी आना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति–धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

ट्रम्प ने 'युद्धविराम' चाहा, शी ने 'बढ़त' हासिल की

सीमा सिरोही

ट्रम्प ने शी को इसलिए लुभाया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, उनके किसान और उद्योग मुश्किल में हैं और उन्हें एक समझौते की जरूरत है।

अति –उत्सुक डोनाल्ड ट्रम्प की छवि, जो ठंडे स्वभाव वाले शी जिनपिंग को मनाने की कोशिश कर रहे थे, मिटाना मुश्किल होगा। चीनी नेता का अनौपचारिक भाषण संरक्षणात्मक और पितृसत्तात्मक था। क्या शी ने ट्रम्प को 'विश्व मंच पर ठगा', जैसा कि सदन के शीर्ष डैमोक्रेट हकीम जेफ्रीज ने यादगार दावा किया था? क्या उन्होंने चीन के आगे घुटने टेक दिए? इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि शी का पलड़ा भारी था। ट्रम्प को लगा कि शी को बराबरी का दर्जा देकर और उनकी मुलाकात को 'जी2' कहकर वह उन पर एहसान कर रहे हैं। जिस तरह से यह प्रक्रिया चल रही थी, उससे ऐसा लग रहा था कि शी खुद एहसान कर रहे हैं। ट्रम्प का जी2 वाला सूत्रीकरण दिल्ली में पत्थर की तरह गिरा, जहां यह शब्द बुरी यादें ताजा करता है। क्या वह भारत को ट्रोल कर रहे थे? चीनी विशेषज्ञ और पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रश दोशी ने बताया कि इस संदर्भ ने केवल 'अमरीकी सहयोगियों और सांझेदारों के इस डर को और पुख्ता किया कि हम उनके साथ संबंधों की बजाय चीन के साथ संबंधों को प्राथमिकता देंगे।' बात यह है कि अमरीका–भारत संबंधा पहले ही बिखर चुके हैं। दुर्भाग्य से, यह दो अहं की लड़ाई बन गई है। हां, 10 साल के रक्षा ढांचे के समझौते पर हस्ताक्षर सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ को इस उथल–पुथल से बचा लेते हैं। लेकिन अन्य जगहों पर गतिरोधा चिंताजनक है। इस साल क्वाड शिखर सम्मेलन की संभावना कम ही दिखती है। ट्रम्प ने शी को इसलिए लुभाया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, उनके किसान और उद्योग मुश्किल में हैं और उन्हें एक समझौते की जरूरत है। क्या मोदी अपना रुख बदल सकते हैं क्योंकि भारतीय कामगार भी मुश्किल में हैं? मोदी इन दिनों विश्व मंच पर मौजूद होने से ज्यादा अनुपस्थित हैं। ट्रम्प से बचना कोई रणनीति नहीं हो सकती। वह तीन साल और रहेंगे। इस बीच, शी 'जीत–जीत' की स्थिति में हैं। अमरीका के साथ उन्होंने अपनी पकड़ मजबूत की, रियायतें हासिल कीं, ट्रम्प को टैरिफ कम करने पर मजबूर किया और व्यावहारिक तौर पर यह साबित कर दिया कि वह भी उसी स्तर के हैं और धीरे–धीरे आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने ट्रम्प को अपनी साख बचाने का मौका जरूर दिया। चीन एक बार फिर सोयाबीन खरीदेगा, लेकिन पहले जितना नहीं। वह दुर्लभ मृदा तत्वों के निर्यात की अनुमति देगा लेकिन केवल एक साल के लिए। वह फेंटानिल के पूर्ववर्ती पदार्थों पर भी अंकुश लगाएगा। दोशी के अनुसार, अमरीका 'पूर्व की यथास्थिति से भी कुछ बदतर स्थिति' में वापस आ गया है और 'विनाशकारी वापसी' ने उसकी कमजोरी उजागर कर दी है। चीन ने एक रणनीतिक गतिरोध पैदा कर दिया है–जो शी जिनपिंग का अगले दशक के लिए लक्ष्य है, यह दिखाकर कि वह कितने तरीकों से अमरीकी अर्थव्यवस्था का गला घोंट सकता है। अगर ट्रम्प को सोयाबीन–दुर्लभ मृदाओं पर अल्पकालिक आथ्र्यक राहत मिली, तो शी जिनपिंग को समय और तकनीक खरीदने का दीर्घकालिक लाभ मिला। फिर भी, कई लोग राहत महसूस कर रहे हैं कि ट्रम्प ने कम से कम एनवीडिया को अपनी सबसे बड़ी ब्लैकवेल चिप चीन को बेचने की इजाजत तो नहीं दी। कम से कम एक अस्थायी युद्धविराम तो है। कम से कम बाजार स्थिर तो हो सकते हैं। अमरीका–चीन के खेल का नतीजा क्या है? यह साफ है कि 10 महीने से भी कम समय में, टकराव की राजनीतिक और आथ्र्यक कीमत ट्रम्प के लिए बहुत ज्यादा साबित हुई। अलग–अलग देशों में दुर्लभ मृदा तत्वों के लिए वैकल्पिक स्थल विकसित करने और प्रसंस्करण क्षमता बनाने में 5–10 साल लगेंगे। अमरीका–चीन प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी लेकिन इसे शीत युद्ध के दौरान अमरीका–सोवियत प्रतिद्वंद्विता की तरह ही प्रबंधित किया जाएगा। प्रत्येक पक्ष 'दूसरे की आवश्यक राजनीतिक वैधता' को स्वीकार करता है, विवाद के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सांझा नियम विकसित करता है, संयम का अभ्यास करता है और दूसरे की रक्षात्मक क्षमताओं को कम नहीं करता, विश्व राजनीति के लिए सिद्धांतों की एक सूची को स्वीकार करता है, ताकि 'एक सहमत यथास्थिति के लिए आधार रेखा' प्रदान की जा सके और संकट की स्थितियों के लिए मौजूदा संचार लिंक का उपयोग किया जा सके। इसके अलावा, अमरीका को 'जीत के पूर्ण दावों' को खारिज करना और 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की वैधता' को स्वीकार करना चाहिए। दोनों पक्ष एक–दूसरे की रणनीतिक परमाणु निरोध क्षमता को स्वीकार करने की घोषणा भी कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि शी जिनपिंग से मुलाकात से ठीक पहले, ट्रम्प ने पेंटागन को 33 साल बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने का आदेश दिया था। कोई वास्तविक कारण नहीं बताया गया। लेकिन परीक्षण फिर से शुरू करने से चीन को फायदा होगा क्योंकि वह अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण और विस्तार कर रहा है। प्रश्न यह है कि क्या चीन एक नियम पुस्तिका बनाने तथा उसका पालन करने के लिए सहमत होगा, जैसा कि सोवियत संघ ने बड़े पैमाने पर किया था।

भाजपा–जदयू ने दिखाई चुनावी रंगदारी

प्रेम शर्मा

बिहार चुनावों में इस बात का अनुमान पहले से था कि जीत हासिल करने के लिए बदजुबानी के नए स्तर कायम होंगे। भाजपा और खासकर नरेन्द्र मोदी इसमें अपना ही बनाया पहले का रिकार्ड तोड़ेंगे। आम चुनाव 2024 में नरेन्द्र मोदी ने जब कहा था कि कांग्रेस वाले आपका मंगलसूत्र चोरी करके ले जाएंगे, तो सब कुछ पता होते हुए भी आश्चर्यमिश्रित दुख हुआ था कि कोई प्रधानमंत्री इस तरह की भाषा कैसे बोल सकता है, ऐसे ऊटपटांग बयान कैसे दे सकता है। लेकिन उस चुनाव में कई बार ऐसे बयान सुनने पड़े। फिर महाराष्ट्र, हरियाणा में यह सिलसिला बढ़ा और अब बिहार चुनाव में जहां इस बार महागठबंधन एनडीए को कड़ी टक्कर दे रहा है, प्रधानमंत्री मोदी कट्टे वाली भाषा पर उतर आए हैं। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री के सलाहकार कौन हैं, कौन उनके भाषण लिखता है या उसे अंतिम रूप देता है या प्रधानमंत्री जनता का मूड देखकर तात्कालिक भाषण देते हैं, लेकिन एक बात तय है कि वे जनता के स्तर को निचला मानकर ही ऐसे भाषण देते हैं।भाषा की सभ्यता, तहजीब का समाज में बड़ी तेजी से क्षरण हुआ है। इसके लिए अब तक बी ग्रेड की फिल्मों, उपन्यासों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा। ओटीटी प्लेटफार्म के प्रचलन के बाद भाषायी संस्कार पूरी तरह से गुम होने लगे। जिन अपशब्दों को सबके सामने बोलने–कहने में लोग झिझकते थे, उन्हें टीवी पर देखकर आम बोलचाल का हिस्सा बना लिया गया। ऐसे में राजनेताओं की और जो लोग सत्ता में बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है कि वे भाषायी शिष्टाचार की न केवल हिफाजत करें, बल्कि उसे बढ़ाएं भी। खुद ऐसी भाषा बोलें कि जनता तक अच्छा संदेश जाए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वाले अक्सर अपने बचाव में तर्क देते हैं कि जनता जो देखना–सुनना चाहती है, हम वही दिखाते हैं। लेकिन यह तर्क सत्तारुढ़ नेताओं पर लागू नहीं हो सकता। बल्कि अगर वे ऐसा करें तो उन्हें कटघरे में खड़ा करने की जरूरत है, क्योंकि वे लोकशिक्षण की अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। बिहार चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री पद लिया है, तो वे अपनी जिम्मेदारी से मुकर ही रहे हैं।भाषा की सभ्यता, तहजीब का समाज में बड़ी तेजी से क्षरण हुआ है। इसके लिए अब तक बी ग्रेड की फिल्मों, उपन्यासों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा। ओटीटी प्लेटफार्म के प्रचलन के बाद भाषायी संस्कार पूरी तरह से गुम होने लगे। जिन अपशब्दों को सबके सामने बोलने–कहने में लोग झिझकते थे, उन्हें टीवी पर देखकर आम बोलचाल का हिस्सा बना लिया गया। ऐसे में राजनेताओं की और जो लोग सत्ता में बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है कि वे भाषायी शिष्टाचार की न केवल हिफाजत करें, बल्कि उसे बढ़ाएं भी। खुद ऐसी भाषा बोलें कि जनता तक अच्छा संदेश जाए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वाले अक्सर अपने बचाव में तर्क देते हैं कि जनता जो देखना–सुनना चाहती है, हम वही दिखाते हैं। लेकिन यह तर्क सत्तारुढ़ नेताओं पर लागू नहीं हो सकता। बल्कि अगर वे ऐसा करें तो उन्हें कटघरे में खड़ा करने की जरूरत है, क्योंकि वे लोकशिक्षण की अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। बिहार चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री पद लिया है, तो वे अपनी जिम्मेदारी से मुकर ही रहे हैं।पाठक जानते हैं कि कुछ दिनों पहले ही महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया, जबकि इसके कयास काफी दिनों से लग रहे थे। कौन सा गठबंधन किस तरह आगे बढ़ता है, यह उसका अपना मसला है। विरोधी गठबंधन उस पर सवाल उठा सकता है। लेकिन कट्टे वाली भाषा बोलकर प्रधानमंत्री राजनैतिक शिष्टाचार में एक पायदान और नीचे उतर गए। भाजपा में उनका अनुसरण करने वाले नेता भरे पड़े हैं। इसलिए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने कहा कि राहुल गांधी दुर्भाग्य लेकर आते हैं। वो जहां जाते हैं हार मिलती है। सौभाग्य–दुर्भाग्य की बात करना अंधविश्वास है, जो संवैधानिक भावना के खिलाफ है। वहीं अपने विरोधी के लिए ऐसा कहना भी सर्वथा अनुचित ही है। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के पोखर में कूदकर और मछली पकड़ने पर कहा कि मलेशिया के बीच (समुद्री किनारे) से उनका मन भर गया जो लंगूर की तरह पानी में कूद गए। देश में नेता प्रतिपक्ष को लंगूर बताकर मंत्री महोदय कुछ देर की सुर्खी बटोर सकते हैं, लेकिन आखिर में यह देश की छवि पर दाग लगाती है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव के लिए ऐसे अपशब्दों की भरमार भाजपा नेताओं के पास है, जिनका इस्तेमाल वे अक्सर करते हैं। लेकिन वहीं सवाल उठता है कि क्या ये नेता बिहार की जनता के विवेक को इतना कम करके आंकते हैं कि वह निम्नस्तरीय भाषा सुनकर प्रभावित होगी। क्या अपने विरोधियों को मात देने के लिए कोई नैतिक तरीका या बात भाजपा के पास नहीं बची है। और अब शायद जदयू का भी वही हाल हो गया है। एक वक्त में शरद यादव और नीतीश कुमार के नेतृत्व में जद यू सिद्धांतों की राजनीति करती थी। लेकिन अब केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने मोकामा में कहा कि, श्कुछ लोग हैं, उन्हें चुनाव के दिन घर से बाहर नहीं निकलने देना है। अगर वे ज्यादा गिड़गिड़ाएं तो उन्हें अपने साथ ले जाइए और वोट देने के बाद घर वापस लाकर छोड़ दीजिए। अभी कमान संभालिए। चुनाव के लिए अब समय नहीं बचा है।श बता दें कि जनसुराज समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा चुनावी उथल–पुथल का मैदान बन गया है। इस हत्याकांड में जदयू के प्रत्याशी अनंत सिंह को आरोपी बनाया गया और विपक्ष की मांग पर अनंत सिंह को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद से ललन सिंह ने मोकामा की कमान संभाल ली है। अनंत सिंह की उम्मीदवारी तो रद्द नहीं हुई, बल्कि ललन सिंह अनंत सिंह का बचाव कर रहे हैं कि उन्हें फंसाया गया है। उन्होंने सारे लोगों ने अनंत सिंह बनने की अपील की और अब सीधे–सीधे अपने विरोधी मतदाताओं को घर पर बंद रखने की धमकी दे रहे हैं। विपक्ष जिस वोट चोरी का डर पहले दिन से बिहार में दिखा रहा है, वह सच होता दिख रहा है। ललन सिंह के बयान वाले वीडियो को कांग्रेस, आरजेडी सभी ने पोस्ट किया और चुनाव आयोग से सवाल किए कि क्या वह इसमें कोई कार्रवाई करेगा। तब जाकर चुनाव आयोग ने ललन सिंह को नोटिस भेजा है और 24 घंटे में जवाब देने कहा है। लेकिन यहां चुनाव आयोग का ढीला–ढाला रवैया बता रहा है कि इसमें कोई बड़ा एक्शन नहीं लिया जाएगा। जो बात विपक्षी दलों ने पहले देख ली, वह चुनाव आयोग को नजर क्यों नहीं आई। भाजपा–जदयू की चुनावी रंगदारी को क्या चुनाव आयोग रोक पाएगा, यह गंभीर सवाल अब उठ रहा है।

चुनावों का राजनीतिक अपराधीकरण, क्या बाहुबली नेता धूल चाटेंगे?

पूनम आई. कौशिश

इस राजनीतिक मौसम में दाग अच्छे हैं, जहां पर बिहार में चल रही चुनावी सर्कस में सैंकड़ों अपराधी से राजनेता बने व्यक्ति अपनी बुलेट प्रूफ जैकेटों की प्रदर्शनी कर रहे हैं। इस कटु सच्चाई पर तब सही निशाने पर तीर लगा, जब मोकामा से 5 बार विधायक रह चुके जनता दल (यू) के बाहुबली अनंत सिंह उर्फ छोटे सरकार को राजद के दुलारचंद यादव की हत्या के लिए गिरफ्तार किया गया। बिहार अपने जटिल जातिगत गणित के लिए जाना जाता है और वहां पर दशकों से उन बाहुबलियों को वोट दिया जा रहा है, जिनके पास धन–बल, जन–बल और बुद्धि–बल है। 90 के दशक में लालू के राजद के डॉन शहाबुद्दीन, जो 3 बार सांसद रहे, से लेकर राजपूत नेता आनंद मोहन सिंह, मुन्ना शुक्ला, राजन तिवारी, दद्दन पहलवान, सूरजभान आदि बिहार के बड़े बाहुबली नेता रहे हैं। कुछ बाहुबली सीधे चुनाव लड़ते हैं और अन्य अपनी पत्नियों या संबंधियों को चुनावी मैदान में उतार कर अपने राजनीतिक प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों में जो अपराध की दुनिया से आगे बढ़कर सत्ता के गलियारों तक पहुंचे हैं, उन्हें गंभीर आरोपों के होने के बावजूद मंत्री तक बनाया गया है। अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ, राजू पाल उर्फ अंसारी बंधु से लेकर राजा भैया, जिन्होंने लोगों के घर तक जलाए हैं और विधायक विजय मिश्रा, जिन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से अधिक समय जेल में बिताया है, वे चाहे किसी भी पार्टी में रहे हों, उन्होंने चुनाव जीता है। धन–बल और बाहु–बल के प्रभाव के बढने के साथ बाहुबलियों ने राजनीतिक दलों से संबंध बनाकर वैधता प्राप्त की और वे अपनी पहचान गरीब और कमजोरों के मसीहा के रूप में बनाते हैं। वे लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करते हैं, उनके विवादों को सुलझाते हैं, राज्य प्रशासन में जातीय नैटवर्क को सक्रिय करते हैं और इस तरह अपनी सामाजिक लोकप्रियता का प्रदर्शन और यह स्पष्ट करते हैं कि उनके विरुद्ध

किसी भी तरह की कार्रवाई महंगी पड़ेगी। इसका कारण क्या है? आज सत्ता संख्या खेल में बदल गई है। पार्टियां बाहुबलियों को इसलिए उम्मीदवार बनाती हैं कि वे अपने बाहुबल का इस्तेमाल अक्सर बंदूक की नोक पर वोट प्राप्त करने के लिए करते हैं और विजयी हो जाते हैं तथा इस व्यवस्था में पारस्परिक लेन–देन होता है। पार्टियों को चुनाव लडने के लिए बेशुमार पैसा मिलता है और अपराधियों को कानून से संरक्षण और समाज में सम्मान। नेता का टैग राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल कर जबरन वसूली और प्रभाव बढ़ाने का टिकट बन जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके विरुद्ध मामले हटा दिए जाएं। कानूनी विलंब के चलते ऐसे बाहुबलियों के विरुद्ध दोषसिद्धि कम होती है। घावों पर नमक लगाने का कार्य तब होता है जब अपराधी सांसद–विधायक जनता की ओर से कानून बनाते हैं। हैरानी की बात यह है कि 22 राज्यों में 2556 विधायकों के विरुद्ध गंभीर अपराधों के आरोप हैं। एक कांग्रेस विधायक के विरुद्ध आपराधिक 204 मामले हैं। विधायकों के विरुद्ध विभिन्न अदालतों में 5000 मामले लंबित हैं। हालांकि न्यायालयों ने निर्देश दिया है कि उनका त्वरित निपटान किया जाए। अपराधियों और पार्टियों की सांठगांठ में पारस्परिक लाभ और भाईचारा हमारे नेताओं का मूलमंत्र है। कुछ ठगों, दस नंबरियों, अपराधियों और माफिया डॉनों का कब्जा होने के चलते केवल यह महत्वपूर्ण रह गया है कि अपराधी किसके साथ हैं, उनके साथ या हमारे साथ। हैरानी की बात यह है कि अपराधी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर ईमानदार उम्मीदवारों को चुनावी दौड़ से बाहर कर रहे हैं। हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार 45.5 प्रतिशत अपराधी उम्मीदवारों ने 24.7 प्रतिशत साफ–स्वच्छ वाले उम्मीदवारों को हराया। इसलिए, इस प्रणाली में आज भारतीय मध्यम वर्ग भी अपराधियों को चुनने से परहेज नहीं करता बशर्ते कि वे उनके संरक्षक बनें। कमजोर पुलिस और कानूनी प्रणाली के चलते माफिया नेता हत्या के मामलों से भी बच जाते हैं। इसके अलावा हमारे यहां कानूनी प्रक्रिया बहुत लंबी है। हमारे कानून केवल उन व्यक्तियों को चुनाव लडने से रोकते हैं, जो न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध हों और इसमें अक्सर कई बार दशकों लग जाते हैं। हाल ही में इस संबंध में न्यायालय ने कहा कि उसके द्वारा विधानसभा चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को खड़ा न करने के निर्देश देने के बावजूद अपराध जारी हैं। न्यायालय ने कहा कि हमने विधान मंडलों से कहा है कि उन उम्मीदवारों के विरुद्ध कार्रवाई करें जिनके विरुद्ध आरोप निर्धारित हो गए हैं किंतु कुछ भी नहीं किया गया और कुछ भी नहीं किया जाएगा। दुर्भाग्यवश हम कानून नहीं बना सकते हैं। एक ऐसे वातावरण में जहां पर हमारी संसदीय प्रणाली राजनीतिक के अपराधीकरण द्वारा हाईजैक कर दी गई है, आम आदमी खिन्न है। कोई भी अपराधियों को वोट देना नहीं चाहता, फिर भी वर्षों से अपराधी चुनावी प्रणाली का इस्तेमाल राजनीति में प्रवेश करने के लिए कर रहे हैं और जनता मूकदर्शक बनी हुई है। इस समस्या का समाधान राजनीतिक दलों को करना होगा। अपराधियों का समर्थन करने की बजाय राजनेताओं को संवेदनशीलता को बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। क्या ईमानदार और सक्षम नेता नहीं रह गए हैं? हम कब तक चोरों का साथ देते रहेंगे और सार्वजनिक पदों पर अपराधियों को चुनते रहेंगे।

`तेरी एक्स बाहर चप्पल लिए खड़ी है!' फरहाना के विवादित कमेंट पर अशनूर का पलटवार!

> आज बिग बॉस ने एक टास्क आयोजित किया जिसमें इंटरनेट सेटअप लगाया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों को खाली जगह भरने के लिए कहा गया। नीलम ने अभिषेक को चापलूस कहा। इससे माहौल गरमा गया और तीखी बहस शुरू हो गई। फरहाना ने अभिषेक से कहा कि वह उनसे ज़्यादा बहस न करें, क्योंकि उनकी एक्स बाहर चप्पल लेकर खड़ी थीं। अभिषेक ने तीखी प्रतिक्रिया दी, लेकिन इन सबके बीच अशनूर ने अपनी दोस्त का बचाव किया और अभिनेत्री से भिड़ गईं।

बिग बॉस 19 अब फिनाले के करीब पहुँच रहा है और घर का माहौल गरमाता जा रहा है। बुधवार को 73वें दिन का प्रीमियर हुआ और खूब झगड़े हुए। राशन टास्क के बाद, अभिषेक बजाज और फरहाना भट्ट के बीच तीखी बहस हो गई। हमेशा की तरह, फरहाना ने अपनी हदें पार करते हुए अभिषेक से कहा कि उसकी एक्स बाहर चप्पल लेकर उसका इंतज़ार कर रही है। यह सुनकर अशनूर भड़क गईं और लैला मजनू की अभिनेत्री से भिड़ गईं।

टास्क के दौरान अभिषेक फरहाना भट्ट से भिड़ गए

आज बिग बॉस ने एक टास्क आयोजित किया जिसमें इंटरनेट सेटअप लगाया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों को खाली जगह भरने के लिए कहा गया। नीलम ने अभिषेक को चापलूस कहा। इससे माहौल गरमा गया और तीखी बहस शुरू हो गई। फरहाना ने अभिषेक से कहा कि वह उनसे ज़्यादा बहस न करें, क्योंकि उनकी एक्स बाहर चप्पल लेकर खड़ी थीं। अभिषेक ने तीखी प्रतिक्रिया दी, लेकिन इन सबके बीच अशनूर ने अपनी दोस्त का बचाव किया और अभिनेत्री से भिड़ गईं। अशनूर ने कहा, आप किसी की निजी ज़िंदगी पर टिप्पणी नहीं कर सकते, जिस पर फरहाना ने कहा, मैं जो भी करूँगी, अपने तरीके से करूँगी।

बिग बॉस के घर में गुड़ की भारी मात्रा को लेकर हंगामा

जैसे ही घर में साप्ताहिक राशन की डिलीवरी हुई, नीलम और तान्या स्टोर रूम में गईं और गुड़ चुराने की योजना बनाने लगीं। फरहाना भी चोरी में शामिल हो गईं और गुड़ के साथ दही भी चुरा लिया। तान्या और नीलम ने गुड़ चुराकर पहले अमाल के बैग में रखा और बाद में शाहबाज़ के बैग में छिपा दिया। इस बीच, शाहबाज़, मृदुल और अभिषेक गुड़ की तलाश में निकल पड़े। इतना ही नहीं, तीनों ने कुणिका सदानंद का बैग भी चेक किया और अशनूर के सामने उसकी जाँच करवाई। इस दौरान अभिषेक भी मौजूद थे। अब यह चोरी घर में हंगामा मचाने वाली है। अगले दिन यानी गुरुवार के एपिसोड में हंगामा मचने वाला है। माहौल गरमाता जा रहा है। साथ ही, अब देखना ये है कि इस हफ्ते घर से कोई बेघर होता है या नहीं।

चिकिरी' टीजर हुआ रिलीज, जानिए आखिर क्या है 'चिकिरी'? पूरा गाना 7 नवंबर को होगा आउट

फिल्म पेड्डी के मेकर्स ने रिलीज से पहले ही दर्शकों के दिल जीत लिए हैं। हाल ही में रिलीज हुए एक इंटरएक्टिव वीडियो में म्यूजिक के उस्ताद ए.आर. रहमान और डायरेक्टर बुची बाबू साना अपने आने वाले गाने "चिकिरी" पर दिल छू लेने वाली बातचीत करते नजर आए। यह गाना 7 नवंबर को रिलीज होगा और सोशल मीडिया पर पहले से ही जबरदस्त चर्चा में है। इसकी झलक में राम चरण जोश से भरे अंदाज में "चिकिरी चिकिरी" गाते और देसी रिदम पर थिरकते दिख रहे हैं।वीडियो में हमेशा अपनी धुनों की जड़ों को समझने के लिए उत्सुक रहने वाले ए.आर. रहमान मुस्कुराते हुए पूछते हैं, "चिकिरी चिकिरी? इसका मतलब क्या है?" इस पर बुची बाबू मुस्कुराकर समझाते हैं, "उनके गांव में लड़कियों को प्यार से बुलाने के लिए 'चिकिरी' कहते हैं। उसी पल से गाना शुरू होता है। चिकिरी एक प्यारा शब्द है। मैं इसके लिए एक हुक दूं? ठीक है सर? चिकिरी चिकिरी, कैसा है?" रहमान का तुरंत रिएक्शन उनकी शानदार क्रिएटिव समझ को दिखाता है "सुपर्ब सर! बहुत बढ़िया, करिए ये।" और बस, इसी तरह एक लोकल प्यार से भरा शब्द "चिकिरी" एक कैची और यूनिवर्सल धुन में बदल जाता है।"चिकिरी" सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो प्यार की शरारती भावना और देसी बोलचाल की खूबसूरती का जश्न मनाता है। रहमान की धुन, बुच्ची बाबू की कहानी और राम चरण के जोश से भरे परफॉर्मेंस के साथ, "चिकिरी" दिल और विरासत को जोड़ने वाला एक म्यूजिकल मोमेंट बनने जा रहा है। इसका टीजर रिलीज हो चुका है और ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो 7 नवंबर 2025 को रिलीज किया जाएगा। लेखक और निर्देशक बुची बाबू साना की फिल्म पेड्डी में राम चरण मुख्य किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ फिल्म में शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। वेंकटा सतीश किलारू द्वारा प्रोड्यूस की गई ये फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

यह अंत नहीं, एक अनंत कहानी की शुरुआत है! पेश है `बाहुबली द इटरनल वॉर पार्ट 1' का टीजर!

बाहुबली द बिगिनिंग और बाहुबलीरू द कन्क्लूजन के रिलीज के बाद इस फ्रेंचाइजी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और भारतीय मनोरंजन जगत में एक नए पैन–इंडिया युग की शुरुआत कर दी है। जहां एस. एस. राजामौली ने इस मेगा ब्लॉकबस्टर के साथ एक नई विरासत रची, वहीं अब हाल ही में बाहुबलीरू द एपिक रिलीज हुई है, जो दोनों फिल्मों के सार को एक साथ जोड़ती है। अब दर्शकों को इस ऐतिहासिक दुनिया में और गहराई तक ले जाने के लिए बाहुबली द इटर्नल वॉर पार्ट 1 आने को तैयार है, जो अमरेन्द्र बाहुबली की दुनिया को और करीब से दिखाएगी। फैंस लंबे समय से बाहुबलीरू द इटर्नल वॉर पार्ट 1 का इंतजार कर रहे थे, और अब इसका टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है। इसमें अमरेन्द्र बाहुबली को पहले से भी ज्यादा इंटेंस, एक्शन से भरपूर और ग्रैंड अंदाज में दिखाया गया है। यह टीजर वाकई एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव है जो इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी की ताकत को और ऊपर लेकर जाता है। ईशान शुक्ला के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक नए अध्याय की शुरुआत करती है, जो बाहुबली की दुनिया को और आगे बढ़ाती है। ऐसे में अब टीजर रिलीज होते ही दर्शकों के बीच आगे की कहानी देखने का जोश और भी बढ़ गया है। बाहुबली द इटरनल वॉर पार्ट 1 एक दो–भागों वाली एनिमेटेड महागाथा है, जिसका डायरेक्शन अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर ईशान शुक्ला ने किया है। इस प्रोजेक्ट को विजनरी एस. एस. राजामौली ने प्रेजेंट किया है, जबकि इसे शोभु यारलागड्डा और प्रसाद देविनेनी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का म्यूजिक एम. एम. कीरवाणी ने कंपोज किया है।

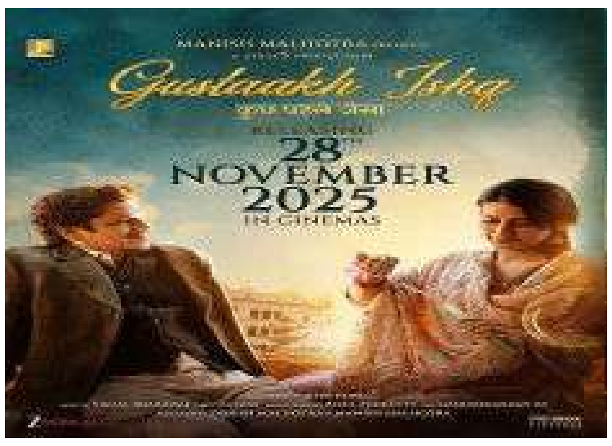

'गुस्ताख इश्क' का ट्रेलर जल्द होगा रिलीज, 28 नवंबर को थिएटर्स में दिखेगा इश्क का जादू

मनीष मल्होत्रा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क कुछ पहले जैसा' ने पुराने जमाने के प्यार और उसकी खूबसूरती को फिर से जिंदा करने के लिए खूब चर्चा बटोरी है। अब दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज होगी।'गुस्ताख इश्क' मनीष मल्होत्रा के लिए बहुत खास है यह उनके प्रोडक्शन हाउस स्टेज 5 प्रोडेक्यान के तहत उनकी पहली फिल्म है। यह फिल्म उनके लिए फैशन और कहानी से आगे बढ़कर एक जुनूनी प्रेमकहानी है, जो क्लासिक रोमांस के दौर को फिर से लौटाने जा रही है। फिल्म के मेकर्स ने एक मोशन पोस्टर के जरिए नई रिलीज डेट का ऐलान किया है। चूंकि फिल्म की थीम प्यार, तड़प और इंतजार पर आधारित है, इसलिए थोड़ा इंतजार वाकई काबिले–तारीफ है! अब तक 'गुस्ताख इश्क' अपने दिल छू लेने वाले म्यूजिक एल्बम से दर्शकों का दिल जीत चुकी है इसके तीन गाने 'उल जलूल इश्क', 'आप इस धूप' और 'शहर तेरे' लोगों की प्लेलिस्ट में लगातार छाए हुए हैं। ये तीनों गाने भले ही अलग हों, लेकिन इनका एहसास एक ही धागे से जुड़ा है प्यार और जुनून का।'गुस्ताख इश्क' मनीष मल्होत्रा के करियर का एक नया और रोमांचक अध्याय है एक ऐसी फिल्म जो पुराने जमाने की कहानियों की आत्मा को संजोए हुए है, लेकिन नजरें भविष्य की ओर रखती है। दीनिश मल्होत्रा के साथ मिलकर बनाई गई यह फिल्म विभु पुरी के निर्देशन में बनी है, और यह एक ऐसी मोहब्बत की कहानी है जिसमें जुनून है, चाहत है और कई अनकहे जज्बात हैं। फिल्म 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गोविन्दा की पत्नी सुनीता ने पंडित मुकेश शुक्ला पर क्या बोला? एक्टर को वीडियो जारी कर क्यों मांगनी पड़ी माफी

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान अपनी पत्नी सुनीता आहूजा द्वारा उनके पारिवारिक पुजारी पंडित मुकेश शुक्ला पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। गोविंदा ने जोर देकर कहा है कि वह अपनी पत्नी के उन बयानों का समर्थन नहीं करते हैं और पंडित मुकेश तथा उनके परिवार का उनकी जिंदगी में बहुत सम्मान है। एक वीडियो स्टेटमेंट में, गोविंदा ने कहा, श्मेरी पत्नी ने पॉडकास्ट पर पंडित मुकेश शुक्ला के खिलाफ अपमानजनक कमेंट्स किए और मैं उनकी निंदा करता हूं। मैं दिल से माफी मांगता हूं... पंडित मुकेश शुक्ला और उनका परिवार मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे हैं, और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। यह पूरा मामला तब सामने आया जब पारस छाबड़ा के यूट्यूब चौनल पर एक बातचीत के दौरान सुनीता आहूजा ने पंडितों और पूजा–पाठ पर अपनी राय रखते हुए कहा था, श्हमारे घर में भी एक हैं, गोविंदा के पंडित। वह भी ऐसे ही हैं, पूजा करवाते हैं, 2 लाख रुपये देते हैं। मैं उनसे कहती हूं कि तुम खुद ही पूजा करो, उनका कराया हुआ पूजा पाठ कुछ काम नहीं आने वाला है। भगवान आपकी खुद की की हुई प्रार्थनाओं को स्वीकार करेंगे। मैं इन सब में विश्वास नहीं करती। अगर मैं दान भी करती हूं या कोई अच्छा काम भी करती हूं, तो मैं अपने कर्मों के लिए अपने हाथों से करती हूं।

सुनीता का गोविंदा के करियर और टीम पर कमेंट

इसी पॉडकास्ट में सुनीता ने अपने पति गोविंदा के मौजूदा करियर और प्रोफेशनल सर्कल को लेकर भी कई तीखी टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि गोविंदा को अपने स्वास्थ्य और वजन पर ध्यान देना चाहिए, श्अब चीची को अपना वजन कम करना होगा और अच्छा दिखना होगा। उसकी स्किन खराब हो गई है। उसे अपना ख्याल रखना चाहिए, यही मेरी इच्छा है। गोविंदा की प्रोफेशनल टीम पर सुनीता ने कहा, श्समस्या यह है कि उसे अच्छी टीम नहीं मिलती। वह जिस सर्कल में बैठता है, उसमें बेवकूफ राइटर हैं जो राइटर कम और बेवकूफ ज्यादा हैं। वे उसे बेवकूफ बनाते हैं और बहुत बुरी सलाह देते हैं। उसे अच्छे लोग नहीं मिलते। उन्होंने दावा किया कि वे लोग उन्हें (सुनीता को) पसंद नहीं करते क्योंकि वह सच बोलती हैं, और गोविंदा उनके (सुनीता के) खिलाफ की गई बातों पर यकीन कर लेते हैं। उन्होंने आलोचकों को सलाह दी कि श्मेरे मुंह पर कहो, उससे नहीं। सुनीता ने अपनी चौरिटी योजनाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वह एक ओल्ड–एज होम और जानवरों के लिए शेल्टर बनाना चाहती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह ये काम अपने पैसे से करेंगी और गोविंदा से सपोर्ट नहीं लेंगी, जो उनके अनुसार सिर्फ अपने चमचों को पैसे देते हैं।

अफवाहों पर सुनीता ने क्या कहा?

बातचीत में गोविंदा की पर्सनल लाइफ की अफवाहों और अफेयर के आरोपों पर भी चर्चा हुई। सुनीता ने कहा कि वह ऐसी अफवाहों पर तब तक यकीन नहीं करेंगी जब तक उन्हें खुद सबूत न दिख जाए। गौरतलब है कि इस कपल ने पहले भी अपने तलाक की खबरों को खारिज करते हुए ऐसी अटकलों को बेबुनियाद बताया था।

त्योहारों में बार-बार हेयर्स को स्टाइलिंग करके खराब हो गई दशा, तो इन टिप्स को फॉलो करें

त्योहारों के दौरान हर किसी के लिए खुशी और जश्न का समय होता है, लेकिन इसके साथ ही आपके बालों पर भी काफी असर पड़ता है। इस दौरान पार्टियों और उत्सवों में हिस्सा लेने के लिए आप स्टाइलिंग उत्पादों इस्तेमाल करने से हेयर्स डैमेज हो जाते हैं। वहीं, दूसरी ओर बढते प्रदूषण और वेदर चेंजिंग के चलते बालों पर प्रभाव पड़ता है। इस कारण से बालों की चमक गायब हो जाती है। बालों में शाइन लाने के लिए इन टिप्स को फॉलो करें।

हाइड्रेटिंग हेयर रिंस

बालों के देखभाल के लिए आप सबसे पहले हाइड्रेटिंग हेयर रिंस से करें। बालों को धोने के बाद, घर पर ही हेयर रिंस का ट्रीटमेंट लें। इसके लिए आप पानी और एप्पल साइडर विनेगर का मिश्रण तैयार करें और बालों में उनका प्रयोग करें। इसके यूज से आपके बालों के प्राकृतिक चभ संतुलन करता है। इसके साथ ही बालों में ताजगी और चमकदार दिखाई देते हैं।

नेचुरल हेयर मास्क

हफ्ते में बालों के लिए प्राकृतिक सामग्री से बना हेयर मास्क लगाएं। यह मास्क आपको बालों को नमी और पोषण प्रदान करेगा। इसके लिए आप केले, शहद और नारियल के तेल से बने हुए प्राकृतिक हाइड्रेटर्स का प्रयोग कर सकते है। इससे आपके बाल शाफ्ट और स्वस्थ व मजबूत बनेंगे।

बालों में केमिकल का प्रयोग न करे

फेस्टिव सीजन में बालों में कलरिंग और स्ट्रेटनिंग-पर्म करने जैसे केमिकल ट्रीटमेंट उपचारों से आपके बालों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इस दौरान आप केमिकल प्रक्रियाओं को कुछ समय के लिए बंद कर दें। ऐसा करने से आपके बाल प्राकृतिक रुप से ठीक हो जाएंगे।

स्कैल्प को पोषण दें

अपने स्कैल्प को स्वस्थ रखने के लिए उसे पोषण दें। आप टी ट्री ऑयल या एलोवेरा जैसे नेचुरल तत्वों वाले स्कैल्प सीरम या तेल का उपयोग करें। ये न केवल आपके स्कैल्प्य में हो रही जलन और खुजली की समस्या को कम करेंगे बल्कि बालों की वृद्धि के लिए भी एक स्वस्थ वातावरण बनाएंगे।

धूप से बचें

सूरज की हानिकारक किरणों से बचने के लिए बालों की सुरक्षा करना काफी जरुरी है। यदि आप घर से बाहर होते है तो यूवी प्रोटेक्शन वाले हेयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करें या सिर पर कैप पहनें। इसकी मदद से आपके बालों के रंग भी सुरक्षित रहेगा और रुखापन भी बालों को बचाएगा।

शैंपू करना सीमित करें

अपने बालों की प्राकृतिक नमी बनाने के लिए आप कम से कम हफ्ते में 2 बार ही करें। अधिक शैंपू करने से बालों में मौजूद प्राकृतिक तेल निकल जाता है, जिससे वे रुखे और बेजान हो जाते हैं। सप्ताह में 2-3 बार ही बाल धोएं और इसके लिए हल्के शैंपू का प्रयोग करें। जो आपके बालों को सुरक्षित रखें।

नाश्ते में क्या है बेहतर, मीठा और नमकीन किसका है ज्यादा फायदा?

नाश्ता हर इंसान के लिए एक जरूरी भोजन है, जो दिन की शुरुआत में ऊर्जा और पोषण प्रदान करता है। एक अच्छा नाश्ता न केवल शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि मूड को भी सेट करता है। सुबह के समय शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, और नाश्ता इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि नाश्ते में मीठा या नमकीन खाना क्या अधिक फायदेमंद है।

मीठे नाश्ते के फायदे और नुकसान

मीठे नाश्ते में आमतौर पर चीनी से बनी चीजें होती हैं, जैसे अनाज, शहद, पैनकेक, फल और मिठाई। मीठा खाना शरीर को तात्कालिक ऊर्जा प्रदान करता है, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है। जब हम मीठा खाते हैं, तो ग्लूकोज हमारे रक्त में जल्दी अवशोषित हो जाता है, जिससे तुरंत ऊर्जा मिलती है।

हालांकि, मीठे नाश्ते के कुछ नुकसान भी हैं। सुबह-सुबह मीठा खाने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जिससे थकान महसूस हो सकती है। इसके अलावा, मीठे नाश्ते से मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है। अक्सर मीठे नाश्ते में प्रोसेस्ड चीनी का इस्तेमाल होता है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स की कमी होती है।

नमकीन नाश्ते के फायदे

नमकीन नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है, जैसे पोहा, उपमा, इडली, चिल्ला और अंडा सैंडविच। नमकीन नाश्ता धीरे-धीरे डाइजेस्ट होता है और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करता है।

नमकीन नाश्ते के लाभ

ब्लड शुगर कंट्रोल

नमकीन नाश्ते में कॉम्प्लेक्स कार्ब्स और प्रोटीन होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को स्थिर रखते हैं और अचानक स्पाइक्स से बचाते हैं। ये खाद्य पदार्थ धीरे-धीरे पचते हैं, जिससे शरीर में ऊर्जा का स्तर लगातार बना रहता है और आपको थकान या चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होता। नियमित रूप से नमकीन नाश्ते का सेवन करने से इंसुलिन के स्तर में सुधार हो सकता है, जो मधुमेह के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

भूख कंट्रोल

नमकीन खाने से फाइबर और प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो पेट को भरा हुआ रखने में मदद करती है और लंच तक आपको संतुष्ट रखती है। यह आपको अनावश्यक स्नैक्स खाने से भी रोकता है, जिससे कुल कैलोरी का सेवन कम होता है। फाइबर युक्त भोजन पाचन को भी सुगम बनाता है, जिससे आप लंबे समय तक तृप्ति का अनुभव करते हैं और वजन बढ़ने का खतरा कम होता है।

वजन घटाने में मदद

नमकीन नाश्ते में फाइबर और प्रोटीन की अधिकता होती है, जो मेटाबॉलिज्म को सक्रिय रखता है और भूख को नियंत्रित करता है, जिससे वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। प्रोटीन आपके शरीर को मांसपेशियों का निर्माण करने में मदद करता है, जिससे कैलोरी जलाने की दर बढ़ जाती है। इसके अलावा, फाइबर आपकी आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है, जो वजन कम करने की प्रक्रिया को और आसान बनाता है। नियमित रूप से नमकीन नाश्ता करने से वजन कम करने में सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और यह एक संतुलित आहार का हिस्सा बन सकता है। इसलिए, नाश्ते में मीठा या नमकीन खाना आपकी सेहत पर प्रभाव डाल सकता है। यदि आप स्वस्थ और संतुलित रहना चाहते हैं, तो नमकीन नाश्ता एक बेहतर विकल्प हो सकता है। एक अच्छे नाश्ते के लिए अपने खान-पान में विविधता लाना और सही सामग्री का चुनाव करना आवश्यक है। आपकी सेहत के लिए सबसे अच्छा विकल्प चुनें और एक स्वस्थ जीवनशैली की ओर कदम बढ़ाएं!

रोज नाश्ते में दूध के साथ खाएं ये 1 लड्डू, पूरी सर्दी नहीं होगा शरीर और घुटनों में दर्द

सर्दियों में शरीर को गर्म रखना और जोड़ों के दर्द से राहत पाना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए दादी-नानी के जमाने से चली आ रही एक खास रेसिपी हैकृमेथी सौंठ के लड्डू। ये लड्डू न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं इन लड्डुओं को बनाने की सरल विधि और उनके फायदों के बारे में।

मेथी सौंठ के लड्डू बनाने की सामग्री

3/4 कप मेथी दाना (इसे दूध में भिगो दें)
500 ग्राम गुड़
1 कप बेसन
1 कप गेहूं का आटा
1 कप देसी घी
1/2 कप गोंद
2 टीस्पून सौंठ
1/2 कप काजू
1/2 कप अखरोट
1/2 कप बादाम
6-7 हरी इलायची (पिसी हुई)

बनाने की विधि

मेथी को अच्छे से धोकर 2 कप दूध में भिगो दें। आप चाहें तो इसे पीसकर भी भिगो सकते हैं। एक कड़ाही में घी डालकर उसमें बादाम, काजू और अखरोट को हल्का सा भून लें। इसके बाद गोंद डालकर धीमी आंच पर भूनें, ताकि यह चिपचिपा न लगे। अब बचे हुए घी में पिसी हुई मेथी डालकर भूनें। मेथी भुनने पर जब घी छोड़ने लगे, तब उसमें सौंठ पाउडर डालकर थोड़ा और भूनें। इसी कड़ाही में बेसन और गेहूं का आटा डालकर अच्छी तरह भून लें। जब आटा सुनहरा हो जाए, तब उसे निकाल लें। कड़ाही में एक स्पून घी डालें और उसमें गुड़ को पिघलाने के लिए एक स्पून पानी डालकर पिघलने तक इंतजार करें। गुड़ पिघलने के बाद गैस बंद कर दें और उसमें सभी भुने हुए मेवे और क्रश किया हुआ गोंद डालकर अच्छी तरह मिलाएं। हल्का ठंडा होने पर हाथों से सारी सामग्री को अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए और फिर इससे लड्डू बना लें।

लड्डू के फायदे

ये मेथी और सौंठ के लड्डू शरीर को गर्म रखते हैं और जोड़ों के दर्द से राहत प्रदान करते हैं। सर्दियों में रोज सुबह एक लड्डू दूध के साथ खाने से आपको ऊर्जा मिलती है और आपके शरीर का दर्द कम होता है। इन लड्डुओं को सर्दी के मौसम में नियमित रूप से खाने से न केवल आपकी सेहत में सुधार होगा, बल्कि आप पूरे दिन ऊर्जावान भी रहेंगे। तो, अब से नाश्ते में शामिल करें ये हेल्दी लड्डू और सर्दियों का भरपूर आनंद लें!

फ्रिज के ऊपर भूलकर भी ना रखें ये 5 चीजें, वरना घर में आ जाएगी कंगाली

वास्तुशास्त्र के अनुसार फ्रिज सिर्फ एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह घर की ऊर्जा पर भी असर डालता है। अगर इसके ऊपर कुछ गलत चीजें रख दी जाएं, तो यह घर की सकारात्मक ऊर्जा को कमजोर कर सकता है और नकारात्मकता बढ़ा सकता है। आइए जानते हैं घर के फ्रिज के ऊपर क्या नहीं रखना चाहिए।

देवी-देवताओं की तस्वीरें या मूर्तियां

फ्रिज एक तामसिक (भोजन संग्रह करने वाला) उपकरण है,इसलिए इसके ऊपर पूजा-संबंधी वस्तुएं या भगवान की तस्वीरें रखना वास्तु दोष माना जाता है। इससे घर में धन और सुख-सौभाग्य की ऊर्जा प्रभावित होती है।

पानी से जुड़ी चीजें (जैसे बोतल, जग, बर्फ का बर्तन)

फ्रिज खुद जल तत्व से जुड़ा होता है। इसके ऊपर पानी से जुड़ी वस्तुएं रखने से जल तत्व का असंतुलन होता है, जिससे घर मेंविवाद, मानसिक तनाव और अस्थिरता बढ़ सकती है।

मसाले या खाना रखने के डिब्बे

भोजन से जुड़ी चीजें (जैसे अचार, मसाले, अनाज) फ्रिज के ऊपर रखने से रसोई की ऊर्जा गड़बड़ा जाती है और यह बीमारियां व आर्थिक रुकावटें ला सकता है।

भारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

फ्रिज के ऊपर माइक्रोवेव या ओवन रखना वास्तु के अनुसार अग्नि और जल तत्व का टकराव है। इससे घर में कलह, गुस्सा और मानसिक अशांति बढ़ती है।

कचरा या बेकार चीजें

ऐसी वस्तुएं नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं। फ्रिज के ऊपर अव्यवस्था रखना न हानि, मन की बेचैनी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

क्या रखना चाहिए फ्रिज के ऊपर?

अगर फ्रिज के ऊपर जगह खाली नहीं छोड़ी जा सकती, तो वहां-उवदमल चसंदज या तुलसी का पौधा रख सकते हैं या लाल कपड़ा बिछाकर हल्की सजावट की वस्तु (जैसे छोटा शोपीस) रख सकते हैं। यह ऊर्जा को संतुलित करता है और घर में सकारात्मकता बनाए रखता है। घर की अच्छी ऊर्जा के लिए कोशिश करें कि फ्रिज के ऊपर साफ-सुथरा और खाली स्थान बना रहे।

संक्षिप्त

सेबी मूल्यांकन संबंधी चिंताओं पर हस्तक्षेप नहीं करेगा : पांडेय

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं करेगा। पांडेय ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, ''हम मूल्यांकन का निर्धारण नहीं करते। यह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है।'' लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताए जाने के कुछ दिन बाद आई इस टिप्पणी में पांडेय ने स्पष्ट किया कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि बाजार को अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण स्वतंत्र रूप सेकरना चाहिए। अतीत में भी, कई हितधारकों द्वारा मूल्यांकन संबंधी चिंताएं उठाई गई हैं। खासकर से नए युग या डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका या पेटीएम के आईपीओ के मामले में। इस बीच, एक्सीलेंस इनेबलर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रबंधन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक ''प्रामाणिक'' होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''ईएसजी प्रामाणिक होना चाहिए, न कि ब्रांडिंग अभ्यास।'' पांडेय ने कहा कि इसे मापने योग्य परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए, स्वतंत्र आश्वासन के अधीन होना चाहिए और वास्तविक बोर्ड निरीक्षण में निहित होना चाहिए। यह स्पष्ट करते हुए कि ईएसजी अब वैकल्पिक नहीं है, पांडेय ने कहा कि व्यवसाय को विनियमों को लाभ में बदलना होगा न कि एक दायित्व में, जिसका अनुपालन किया जाना आवश्यक है। पांडेय ने यह भी कहा कि कंपनियों के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डेटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा, '' आज के बाजार की जटिलता औपचारिक निरीक्षण की नहीं, बल्कि सूचित निर्णय की मांग करती है।

ओला इलेक्ट्रिक का मोटर वाहन कारोबार जुलाई–सितंबर में मुनाफे में आया

इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक का मोटर वाहन कारोबार जुलाई–सितंबर 2025 तिमाही में लाभ में आ गया है। कंपनी की कर–पूर्व आय में 0.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इससे पिछले तीन महीनों में इसमें 5.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ओला इलेक्ट्रिक ने बयान में कहा कि जुलाई–सितंबर में 0.3 प्रतिशत की कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) के साथ कंपनी ने अपनी पहली ईबीआईटीडीए लाभप्रदता तिमाही दर्ज की। कंपनी ने बताया कि उसका मोटर वाहन

सकल मुनाफा क्रमिक रूप से 510 आधार अंकों से बढ़कर 30.7 प्रतिशत हो गया, जो कि अधिकतर आईसीई (पारंपरिक इंजन) दोपहिया वाहन कंपनियों की तुलना में अधिक है। इसमें न्यूनतम पीएलआई का दो प्रतिशत योगदान शामिल है। जुलाई–सितंबर तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 690 करोड़ रुपये रही और इस दौरान कुल 52,666 वाहनों की आपूर्ति की गई। परिचालन व्यय सालाना आधार पर 308 करोड़ रुपये से घटकर 258 करोड़ रुपये रह गया। एकीकृत परिचालन व्यय भी 451 करोड़ रुपये से घटकर 416 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही तक मोटर वाहन परिचालन व्यय घटकर लगभग 225 करोड़ रुपये रह जाएगा। साथ ही परिचालन समेकन एवं प्रौद्योगिकी–संचालित दक्षताओं के माध्यम से एकीकृत परिचालन व्यय 350–375 करोड़ रुपये रहने का लक्ष्य है।

Reliance ने घटाई रूस से तेल आयात, अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते बदल रही रणनीति

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (त्प्स्) ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में हाल ही में बड़ी कटौती की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, आने वाले महीनों में कंपनी उन रूसी संस्थाओं से तेल खरीदना पूरी तरह बंद कर देगी, जिन पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के पालन और अमेरिका व यूरोप के बाजारों तक पहुंच बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है, बता दें कि रिलायंस भारत में रूस से तेल खरीदने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी के आयात डेटा के मुताबिक, अक्टूबर महीने में रिलायंस ने रूस से करीब 5.34 लाख बैरल प्रतिदिन तेल मंगवाया, जो सितंबर की तुलना में 24ः कम है। यह अप्रैल से सितंबर के औसत आयात से भी लगभग 23ः कम है। गौरतलब है कि कच्चे तेल की बुकिंग आमतौर पर एक महीने पहले होती है और जहाजों को भारत पहुंचने में अतिरिक्त समय लगता है। वहीं, दूसरी ओर, नायरा एनर्जी ने अक्टूबर में पूरी तरह रूस से ही तेल मंगाया है। रूसी तेल की आपूर्ति कम होने पर इस कमी को पूरा करने के लिए रिलायंस ने मध्य पूर्व से आयात बढ़ाया है। खासकर सऊदी अरब और इराक से आयात क्रमशः 87ः और 31ः बढ़ा है। इसके अलावा, अमेरिका से भी तेल आयात में इजाफा हुआ है, जो सितंबर के मुकाबले दोगुना होकर कुल आयात का लगभग 10ः हो गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह कटौती अभी लगे हालिया अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते नहीं हुई है, बल्कि पहले से जारी अनिश्चितताओं और दबाव के कारण है। ट्रंप प्रशासन के दौरान भारतीय निर्यात पर 50ः टैरिफ लगाए गए थे और जुलाई में यूरोपीय संघ ने जनवरी से प्रभावी होने वाले नए प्रतिबंध घोषित किए थे।

क्रिकेट भारत की जान है : विश्व कप विजेता महिला टीम से मिले पीएम मोदी, बोले- देश को गर्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक जीत के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि ने देश का उत्साह बढ़ाया है और हर भारतीय को गर्व की अनुभूति कराई है। पीएम मोदी ने बुधवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर महिला विश्व कप चौंपियन टीम की मेज़बानी की। पीएम मोदी ने टीम को जीत की बधाई दी और लगातार तीन हार और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करने के बाद टूर्नामेंट में उनकी शानदार वापसी की सराहना की। भारतीय महिला क्रिकेट टीम से बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी ने बहुत बड़ा काम किया है। भारत में क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं रह गया है; यह लोगों की ज़िंदगी बन गया है। अगर क्रिकेट में सब कुछ ठीक चलता है, तो पूरा देश अच्छा महसूस करता है, लेकिन अगर क्रिकेट में कुछ भी गड़बड़ होती है, तो पूरा देश हिल जाता है। 2005 और 2017 के फाइनल में मिली दो निराशाजनक हार के बाद, भारत का आईसीसी महिला विश्व कप जीतने का वर्षों पुराना सपना आखिरकार टूट गया। फाइनल में उसने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच में शेफाली शर्मा (87 और 2/36) और दीप्ति शर्मा (58 और 5/39) ने ऐसा ऑलराउंड प्रदर्शन किया जो लाखों लोगों के दिलों में हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा और भविष्य के क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता बन गया और इन दोनों की तरह, उसने भी पहली बार अपनी धरती पर ऐसा किया। टीम इंडिया की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी से बात करते हुए, मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा, हम यहाँ आकर सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। देश की बेटियों ने कमाल कर दिया है। वे पिछले 2 सालों से इसमें बहुत मेहनत कर रही हैं। उन्होंने हर अभ्यास सत्र में उसी तीव्रता और ऊर्जा के साथ खेला है...।

मजूमदार ने एक किस्सा भी साझा किया जब भारतीय क्रिकेट टीम यूनाइटेड किंगडम में किंग चार्ल्स तृतीय से मिली थी। उन्होंने आगे कहा, ... टीम के सहयोगी स्टाफ ने नवंबर महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक तस्वीर खिंचवाई थी... कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात को याद किया (लॉर्ड्स में फाइनल में इंग्लैंड से मिली मामूली हार के बाद), जब वे ट्रॉफी के बिना प्रधानमंत्री से मिली थीं, और अब जब वे ट्रॉफी के साथ उनसे मिली हैं, तो वे उनसे और अधिक बार मिलना चाहती हैं।

दाएँ हाथ की बल्लेबाज़ ने कहा, ष्हमें याद है कि पिछली बार जब हम 2017 में आपसे मिले थे, तो हमें ट्रॉफी नहीं मिली थी, लेकिन हमें इस बात पर गर्व है कि इस बार हम विश्व चौंपियन बने हैं...हम आपसे मिलकर वाकई सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य भविष्य में भी आपसे मिलते रहना है।ष उप कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने नौ पारियों में एक शतक और दो अर्द्धशतकों सहित 434 रन बनाकर टूर्नामेंट का समापन दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी के रूप में किया, ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रेरित किया और वे हम सभी के लिए प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आज लड़कियां सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और यह प्रधानमंत्री मोदी की वजह से है।

टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका लेगा भारत की परीक्षा, बावुमा बोले- स्पिन के दम पर सीरीज जीत सकते हैं

बंगलूरू। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी, लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999–2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट सीरीज जीती थी। दो मैचों की सीरीज का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा, दक्षिण अफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, विश्व चौम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा, शविराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिये खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज हैझ युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

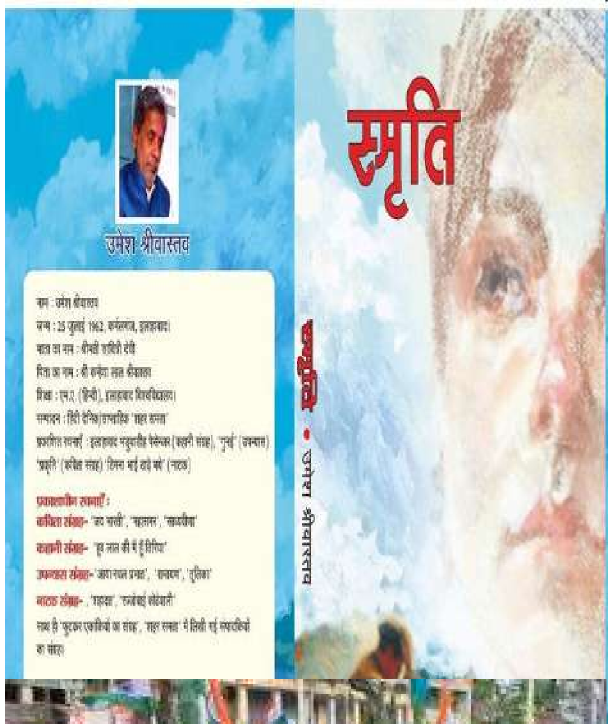

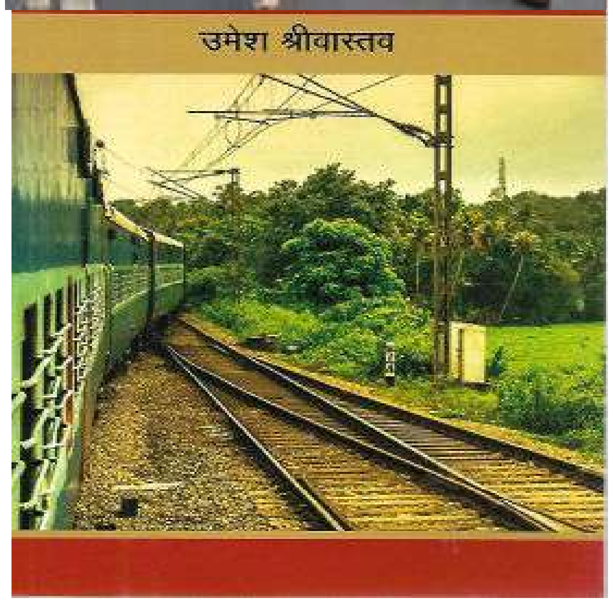

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

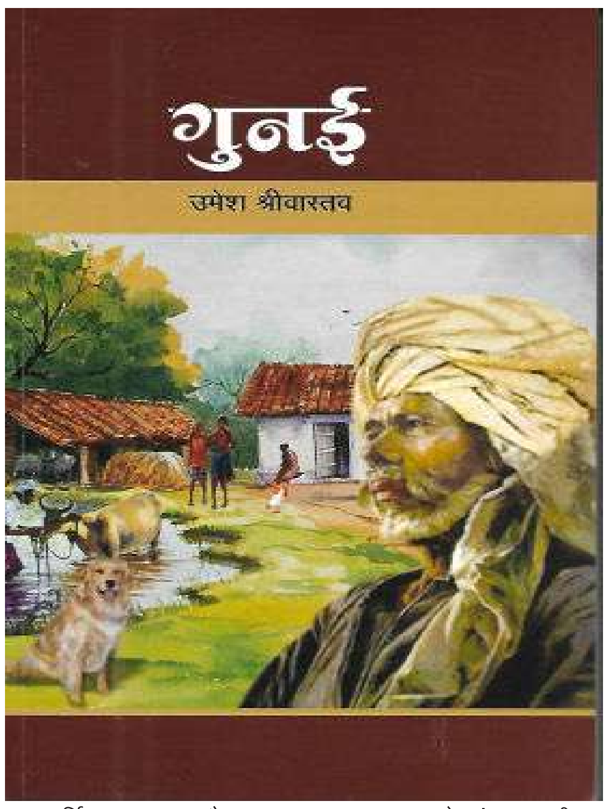

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

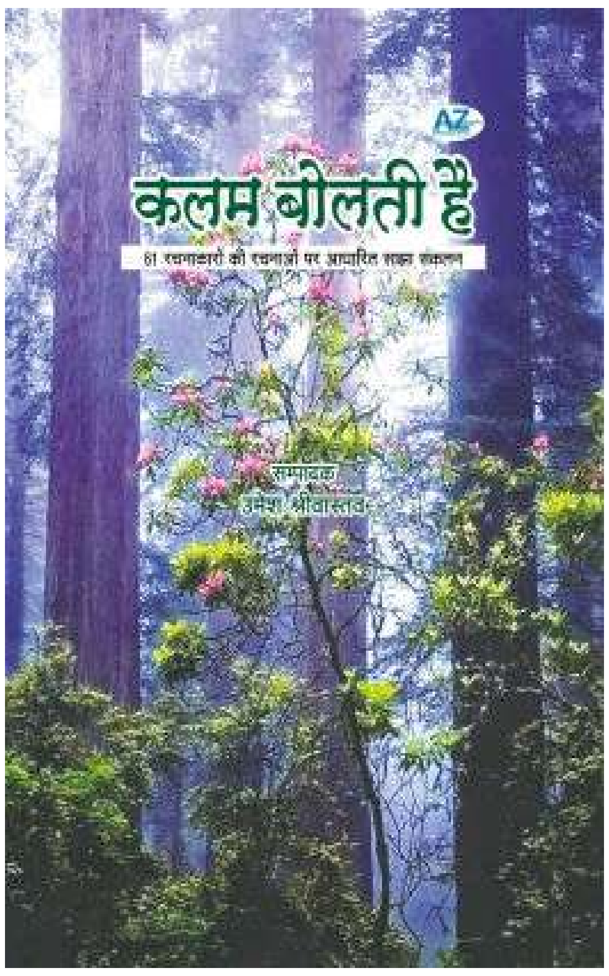

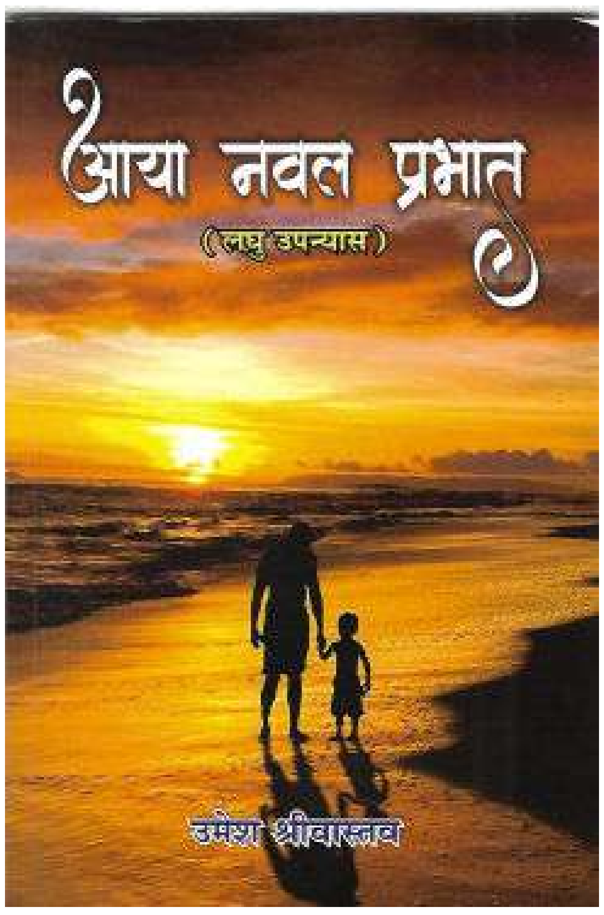

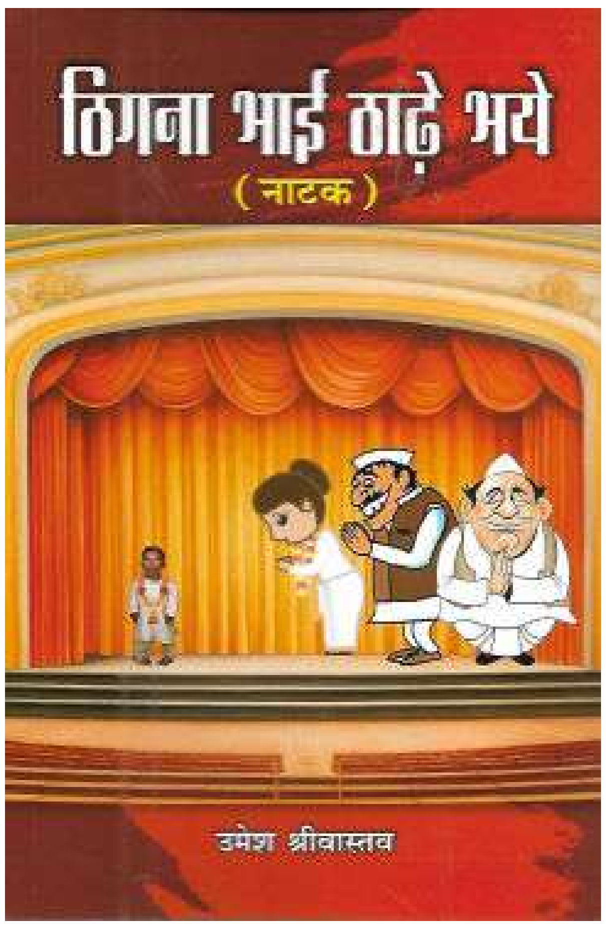

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

युद्ध तो होगा...शांति वार्ता से पहले पाक मंत्री की तालिबान को एक्शन की खुली धमकी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच फिर से जंग छिड़ सकती है। पाकिस्तानी मंत्री का एक बयान सामने आया है। पाक मंत्री ख्वाजा आसिम ने अफगानिस्तान को धमकी दी है। आसिफ का कहना है कि युद्ध तो होगा। तालिबान को शांति वार्ता से पहले एक्शन की चेतावनी पाकिस्तान की तरफ से दी गई है। मंत्री की यह तीखी टिप्पणी तीसरे दौर की वार्ता की पूर्व संध्या पर जियो टीवी को दिए एक साक्षात्कार के दौरान आई। यह वार्ता दोहा और इस्तांबुल में पहले हुए दो दौरों के बाद होगी जो बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गए थे। आसिफ ने कहा कि अगर वार्ता विफल होती है, तो स्थिति और बिगड़ेगी। हमारे पास अपने विकल्प हैं। जिस तरह से हमें निशाना बनाया जा रहा है, उसे देखते हुए हम भी उसी तरह जवाब दे सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में सीमा पार हुई संक्षिप्त झड़पों के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच एक नाजुक युद्धविराम समझौते के बाद, इस वार्ता पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। तुर्की इस प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए मध्यस्थता कर रहा है, जो अब तक पाकिस्तान की इस माँग के कारण लड़खड़ा रही थी कि काबुल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे। पिछले हफ़्ते एक साप्ताहिक प्रेस वार्ता में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने इस बैठक की पुष्टि की और सकारात्मक परिणाम की उम्मीद जताई। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पाकिस्तान मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल रहेगा, लेकिन चेतावनी दी कि शांति अफ़ग़ानिस्तान की अपनी ज़मीन से आतंकवादी गतिविधियों को रोकने की इच्छा पर निर्भर करती है। अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान ने अपने इस रुख से समझौता किए बिना तालिबान शासन के साथ बातचीत की है कि अफगान धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद टीटीपी तत्वों के खिलाफ ठोस और सत्यापन योग्य कार्रवाई की उम्मीद करता है। वार्ता का पहला दौर 18-19 अक्टूबर को दोहा में हुआ, उसके बाद 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में दूसरा दौर हुआ, जो कई दिनों तक चला और पिछले हफ़्ते समाप्त हुआ। दोनों पक्ष युद्धविराम बनाए रखने पर सहमत हुए, लेकिन अधिकारियों ने माना कि गहरा अविश्वास अभी भी बना हुआ है। इस बीच, आसिफ ने काबुल के इस दावे को खारिज कर दिया कि टीटीपी लड़ाके महज पाकिस्तानी शरणार्थी हैं जो घर लौट रहे हैं। शरणार्थी भारी हथियार लेकर और चोरों की तरह पहाड़ी रास्तों से कैसे वापस आ सकते हैं? यही तर्क अफ़ग़ानिस्तान की कपटपूर्णता और बदनीयती को उजागर करता है। इसके अलावा, आसिफ ने कहा कि जब तक तालिबान सरकार सीमा पार हमलों को रोकने के लिए कड़े कदम नहीं उठाती, तब तक अफ़ग़ानिस्तान के साथ संबंध सामान्य नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा कि मैं पूरी अफ़ग़ान सरकार को दोष नहीं दूँगा, लेकिन उसके भीतर के कई लोग स्पष्ट रूप से इन समूहों का समर्थन कर रहे हैं।

संक्षिप्त

ट्रंप इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' में कहा, ''मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 की बैठक है। दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में ही नहीं होना चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बहुत बुरा है। मैंने उन्हें बता दिया है कि मैं नहीं आ रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं करने वाला...।'' दक्षिण अफ्रीका ने एक दिसंबर 2024 को एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और वह 22 और 23 नवंबर को जोहानिसबर्ग में समूह के नेताओं की शिखर बैठक की मेज़बानी करेगा। यह पहली बार है जब जी-20 शिखर सम्मेलन अफ्रीकी धरती पर आयोजित किया जाएगा। भारत दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक जी-20 का अध्यक्ष था और उसने सितंबर 2023 में नयी दिल्ली में 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी की थी। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे। जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ-साथ यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ शामिल हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकी संघ आधिकारिक तौर पर दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल हुआ था। न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर ''कम्युनिस्ट'' जोहरान ममदानी की आलोचना करते हुए ट्रंप ने कहा कि मियामी पीढ़ियों से दक्षिण अफ्रीका में कम्युनिस्ट अत्याचार से भागने वालों के लिए एक आश्रय स्थल रहा है। ट्रंप ने कहा, ''मेरा मतलब है कि दक्षिण अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में क्या हो रहा है, इस पर एक नजर डालिए। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में क्या हो रहा है इस पर एक नजर डालिए।

हमास ने एक बंधक के अवशेष सौंपे हैं : इजराइल

इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि चरमपंथी समूह हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को अवशेष सौंपे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह एक बंधक के अवशेष हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि अवशेष को इजराइली बलों के पास लाया जा रहा है। यह कदम अमेरिका की मध्यस्थता में 10 अक्टूबर से लागू संघर्षविराम के तहत प्रगति का नया संकेत है। इससे पहले हमास 21 बंधकों के शव लौटा चुका है। अगर इस अवशेष की पहचान की पुष्टि हो जाती है तो गाजा में छह अन्य बंधकों के शव शेष रह जाएंगे। गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल ने बुधवार को 15 फलस्तीनियों के शव लौटाए थे, जो पिछले महीने हुए समझौते के तहत अदला-बदली का हिस्सा हैं। रेड क्रॉस अब तक 285 शव गाजा पहुंचा चुका है। हालांकि, डीएनए जांच किट की कमी से पहचान कठिन हो रही है।

पीओके में विद्रोह 2.0? पाकिस्तान सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरी जेनरेशन

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हिंसक अशांति के बाद इस क्षेत्र में विरोध प्रदर्शनों की एक और लहर चल पड़ी है। इस बार इसका नेतृत्व शिक्षा सुधारों को लेकर जेनरेशन ज़ेड (अधिकांशतः छात्र) कर रहे हैं। हालाँकि, बढ़ती फीस और मूल्यांकन प्रक्रिया के खिलाफ एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन के रूप में शुरू हुआ यह प्रदर्शन शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में बदल गया है,

जिससे अशांत क्षेत्र में जेनरेशन ज़ेड के बीच गहराते असंतोष का पर्दाफाश हो गया है। इस महीने की शुरुआत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ज़्यादातर शांतिपूर्ण रहे, लेकिन कथित तौर पर एक अज्ञात बंदूकधारी द्वारा छात्रों के एक समूह पर गोलीबारी करने और एक छात्र के घायल होने के बाद अराजकता फैल गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मुज़फ़्फ़राबाद में एक व्यक्ति प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाता दिख रहा है, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। खबरों के अनुसार, यह घटना पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुई।

पीओके में जेन-जेड विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया

यह आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, क्योंकि आक्रोशित छात्रों ने टायर जलाए, आगजनी और तोड़फोड़ की और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारे लगाए - दक्षिण एशियाई देशों नेपाल और बांग्लादेश में जेन-जेड विरोध प्रदर्शनों की तरह। मुजफ्फराबाद के एक शीर्ष विश्वविद्यालय में बढ़ती फीस और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। जैसे ही आंदोलन ने गति पकड़ी, प्रशासन ने विश्वविद्यालय में राजनीतिक गतिविधियों पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया। जनवरी 2024 में भी ऐसा ही एक आंदोलन हुआ था। छात्रों ने आरोप लगाया था कि सेमेस्टर फीस के नाम पर हर तीन-चार महीने में लाखों रुपये वसूले जा रहे हैं। फिर, पीओके के शिक्षण और प्रशासनिक कर्मचारी भी अपने लंबे समय से लंबित वेतन वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए।

हिंदुओं को लौटाया अब सिखों का फूलों से स्वागत, प्रकाश पर्व पर शहबाज ने कर दी नापाक हरकत

मई में हुए घातक संघर्ष के बाद परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच भूमि सीमा बंद होने के बाद से पाकिस्तान ने पहली बार भारत से आने वाले सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत किया है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के जन्म की 556वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित 10 दिवसीय उत्सव में शामिल होने के लिए 2,100 से अधिक तीर्थयात्रियों को वीज़ा प्रदान किया गया। यह निर्णय नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान के उच्चायोग ने पिछले सप्ताह कहा कि यह निर्णय अंतर्धार्मिक और अंतरसांस्कृतिक सद्भाव और समझ को बढ़ावा देने के प्रयासों के अनुरूप है। गुरु नानक देव के जयंती समारोह में भाग लेने के लिए पाकिस्तान गए कुछ हिंदू श्रद्धालुओं को वहां के अधिकारियों ने यह कहते हुए वापस भेज दिया कि वे सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते। अमर चंद परिवार के छह सदस्यों के साथ वहां गए थे। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी अधिकारियों ने हमसे कहा कि आप हिंदू है, आप सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को लगभग 1,900 सिख तीर्थयात्रियों का एक जत्था अटारी-वाघा सीमा पार करके पाकिस्तान पहुंचा। चंद भी उस जत्थे में शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि वे सिख धर्म के संस्थापक के प्रकाश पर्व के अवसर पर पाकिस्तान के गुरुद्वारों में मत्था टेकना चाहते थे। चंद ने कहा कि हिंदू होने के कारण उन्हें और उनके परिवार के छह सदस्यों को वापस भेज दिया गया। उन्होंने दावा किया कि वे अटारी-वाघा सड़क मार्ग से पाकिस्तान पहुंचे और वहां सभी औपचारिकताएं पूरी कीं। बोले कि हमने सभी सात सदस्यों के लिए बस टिकट पर 95,000 रुपये (पाकिस्तानी मुद्रा में) खर्च किए। मई में इस्लामाबाद और नई दिल्ली के बीच 1999 के बाद से सबसे भीषण संघर्ष हुआ, जिसमें 70 से ज़्यादा लोग मारे गए। हिंसा के बाद, दोनों देशों के बीच एकमात्र सक्रिय स्थलीय मार्ग, वाघा-अटारी सीमा, सामान्य यातायात के लिए बंद कर दी गई थी। तीर्थयात्री लाहौर के पश्चिम में गुरु नानक के जन्मस्थान, ननकाना साहिब में एकत्रित होंगे, और उसके बाद पाकिस्तान के अन्य पवित्र स्थलों, जिनमें करतारपुर भी शामिल है, जहाँ गुरु को समाधिस्थ किया गया था, का दर्शन करेंगे। करतारपुर कॉरिडोर, एक वीज़ा-मुक्त मार्ग, जिसे 2019 में भारतीय सिखों को मुख्य सीमा पार किए बिना मंदिर जाने की अनुमति देने के लिए खोला गया था, संघर्ष के बाद से बंद है।

7 नहीं...भारत-पाकिस्तान के बीच गिरे फाइटर जेट्स पर फिर पलटे ट्रंप, जानें अब क्या नया दावा कर दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। लेकिन इस बार दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने जो दावा किया औरउसके साथ जो आंकड़े बताए वो गौर करने वाले हैं। दरअसल इस बार उन्होंने अपने बयान में कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो झड़प हुई थी उसमें आठ विमान गिरे थे। आपको बता दें पिछले तीन महीनों में ट्रंप ने बार-बार इन आंकड़ों को बदला है। सबसे पहले उन्होंने दावा किया था कि तीन विमान गिरे थे। फिर उन्होंने कहा था कि पांच विमान गिरे थे। फिर उन्होंने सात विमानों के गिरने का दावा किया था और अब तो उन्होंने यह आंकड़ा आठ

विमानों पर पहुंचा दिया। मतलब 3 महीने में चार से पांच बार यह आंकड़े ट्रंप ने अपनी सहूलियत के हिसाब से बदल दिए।

ट्रम्प का दावा, 8 विमान मार गिराए गए

मियामी में अमेरिका बिज़नेस फ़ोरम को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने अब दावा किया कि 7-10 मई के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आठ विमानों को मार गिराया गया था। आप जानते हैं, मैं उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रहा था और फिर मैंने एक अख़बार के पहले पन्ने पर पढ़ा मैंने सुना कि वे युद्ध करने जा रहे हैं। सात विमान मार गिराए गए, और आठवाँ विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुल मिलाकर आठ विमान मार गिराए गए। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान विवाद सुलझाने का दावा 60 से ज़्यादा बार दोहराया है और अलग-अलग संख्या में लड़ाकू विमान मार गिराए हैं। हालाँकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये विमान किस देश के थे। ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि उनके हस्तक्षेप ने ही भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोका। पाकिस्तान ने ट्रंप के अहं को संतुष्ट करने के लिए उनके इशारे पर काम किया है, जबकि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों का पुरज़ोर खंडन करते हुए कहा है कि युद्धविराम सीधे संपर्क के ज़रिए हुआ था। ट्रंप ने कहा कि मैंने बोला यह युद्ध है और वे इसमें लगे हुए हैं। और वे दो परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। मैंने कहा कि जब तक आप शांति के लिए सहमत नहीं होते, मैं आपके साथ कोई व्यापारिक समझौता नहीं करूँगा। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों ने कहा बिल्कुल नहीं। मैंने कहा आप परमाणु शक्ति संपन्न हैं। मैं आपके साथ व्यापार नहीं कर रहा हूँ। अगर आप आपस में युद्धरत हैं, तो हम आपके साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने दावा किया कि 24 घंटे के भीतर ही उन्हें भारत और पाकिस्तान से युद्धविराम समझौते के बारे में फ़ोन आया। मैंने कहा धन्यवाद। चलो व्यापार करते हैं। ट्रम्प ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा क्या यह बढ़िया नहीं है? टैरिफ़ के बिना, यह कभी नहीं होता।

भारतवंशी मुस्लिम के मेयर बनते ही ट्रंप को लगे 5 बड़े झटके, बैन होंगे ये फैसले!

अमेरिका के न्यू यॉर्क में इतिहास रचा गया। इस शहर ने 34 साल के भारतवंशी नेता जोहरान ममदानी को मेयर चुना। वह न्यू यॉर्क के पहले मुस्लिम, पहले भारतवंशी और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने। ममदानी ने इस महंगाई में आमजन को राहत देने वाले मुद्दे उठाकर यह चुनाव जीता। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके खिलाफ कैंपेन की थी। न्यू यॉर्क ही नहीं, वर्जिनिया, सिनसिनाटी के नतीजे भी ट्रंप और उनकी पार्टी के उलट रहे। ममदानी ने अपने भाषण में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर करारे हमले किए। उन्होंने कहा, हमने ट्रम्प की दबदबे वाली राजनीति को हरा दिया है। ममदानी के साथ उनकी मां मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर, पिता महमूद ममदानी और पत्नी रमा दुवाजी भी मौजूद रहीं। ममदानी के विक्ट्री सेलिब्रेशन में बॉलीवुड का हिट गाना धूम मचा ले बजाया गया। इस पर ममदानी भी झूमते नजर आए। न्यूयॉर्क के चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का सूपड़ा ही साफ हो गया, उनके प्रत्याशी कर्टिस स्लिवा तीसरे नंबर पर खिसक गए। इससे खिन्न ट्रम्प ने कहा, बैलट में मेरा फोटो नहीं था और शटडाउन (बजट के अभाव में आर्थिक गतिरोध) चलने के कारण हमारी पार्टी की हार हुई है। ममदानी की जीत ट्रंप के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। क्योंकि ट्रंप ने चुनाव के दौरान जोहरान को झुकाने और हराने के लिए बड़ी-बड़ी धमकियां और हथकंडों का सहारा लिया था। ट्रंप ने सबसे बड़ी धमकी यह दी थी कि अगर जोहरान चुनाव जीत गए तो वो न्यूयॉर्क का सारा फंड रोक देंगे। यानी कि एक तरह से ट्रंप ने इस धमकी के जरिए बताने की कोशिश की थी कि भले ही जोरान चुनाव जीत जाए लेकिन सत्ता उनके हिसाब से चलेगी। जो वह चाहेंगे वही होगा। लेकिन अब जब जोरान चुनाव जीत गए हैं तो अब हर कोई यह जानना चाहता है कि क्या सच में ट्रंप के पास यह अधिकार है कि वो अब न्यूयॉर्क का फंड रोक देंगे। क्या ट्रंप जोहरान को अपने हिसाब से काम करने नहीं देंगे? तो आपको

बता दें कि ऐसा कुछ नहीं है। बल्कि इससे उलट अब ट्रंप न्यूयॉर्क में कई सारे फैसले नहीं ले पाएंगे। दरअसल ममदानी के मेयर बनने के बाद अब राष्ट्रपति ट्रंप शहर से जुड़े कई फैसले सीधे नहीं ले पाएंगे। जिसमें पहला यह कि वह न्यूयॉर्क की नीतियां बनाने में दखलअंदाजी नहीं दे पाएंगे। अब ममदानी न्यूयॉर्क शहर की नीतियां बना सकेंगे। जिसमें किराया नियंत्रण, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, स्कूलों और बच्चों की देखभाल की योजनाएं शामिल है। ट्रंप भले ही अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, लेकिन वो किसी शहर की नीतियों में दखल नहीं दे सकते। इसलिए अगर ममदानी किराया घटाएं या नई सामाजिक योजनाएं शुरू करें तो ट्रंप उन्हें रोक नहीं पाएंगे। ममदानी अपने चुनावी वादों के चलते भी ट्रंप के निशाने पर थे। ममदानी ने घरों का किराया, फ्रिज करने, सभी के लिए फ्री बस, सर्विस और सरकारी किराना, दुकानें खुलवाने का वादा किया था। दूसरा यह कि जिस तरह से ट्रंप ने धमकी दी थी कि वो शहर की फंडिंग रोक देंगे।

25 साल की बड़ी जीत

ममदानी को 10.36 लाख वोट मिले। ये 25 साल की सबसे बड़ी जीत। कुल वोटिंग 20.55 लाख, कुमो को 8.54 लाख वोट। ममदानी बोले ट्रम्प मेरा भाषण सुन रहे हैं, अब वक्त आ गया है कि वे अपने कान खोल लें। प्रवासियों का स्वागत न्यूयॉर्क हमेशा प्रवासियों का शहर रहा है। अब प्रवासी के पास कमान है, प्रवासियों का स्वागत है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227